WWW.Kanchanujala.in
हिन्दी दैनिक
kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित
सच्चाई के साथ

किशोर कुमार ने मुझे ड्रीम गर्ल के लिए साहस दिया: आयुष्मान

वर्ष: 01 अंक : 296 | लखनऊ, शुक्रवार, 16 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

नये मामलों की तुलना में कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या में बढ़ोतरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण के मामले में दुनिया भर में पहले स्थान पर अमेरिका से महज छह लाख की संख्या में पीछे रह गये भारत में संक्रमितों का आंकड़ा 73 लाख को पार कर गया है हालांकि नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की तादाद बढ़ती जा रही है और अब तक 63.83 लाख लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 81,514 कोरोना संक्रमितों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ, जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी। देश में अब तक 63,83,441 मरीजों ने कोरोना को मात दी है। इसी अवधि में 67,708 लोगों के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद संक्रमण का आंकड़ा 73,07,097 हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान 680 संक्रमित अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1,11,266 हो गयी है। कोरोना संक्रमण के नये मामलों में कमी आने के कारण सक्रिय मामले 14,486 घटकर 8,12,390 हो गये। देश में अभी सक्रिय मामलों का प्रतिशत 11.12 और रोगमुक्त होने वालों की दर 87.36 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.52 फीसदी रह गयी है। कोरोना संक्रमण के मामले में भारत दुनियाभर में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। अमेरिका में संक्रमितों की कुल संख्या 79,16,118 है और इस हिसाब से भारत अब केवल 6.09 लाख ही पीछे हैं। देश में कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 9123 कम होकर 1,96,761 रह गये हैं जबकि 158 की मौत होने से मृतकों की संख्या 40,859 हो गयी है। इस दौरान 19,517 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 13,16,769 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 528 की वृद्धि से सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 1,14,006 हो गई हैं। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 10,198 पर पहुंच गया है तथा अब तक 6,11,167 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1186 कम होने से सक्रिय मामले 41,669 रह गये। राज्य में अब तक 6319 लोगों की मौत हुई है।

हर घर में नल से जल का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे तीन और राय

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर में नल से जल' पहुंचाने के सपने को तीन और राय जल्द ही साकार करने की स्थिति में पहुंच चुके है जिनमे तेलंगाना शीघ्र मिशन का सौ फीसदी लक्ष्य हासिल करने वाला देश का दूसरा राय बन जायेगा। गोवा ने पिछले सप्ताह ही जल जीवन मिशन के तहत अपने सभी ग्रामीण परिवारों को 'हर घर में नल से जल' देने के लक्ष्य को हासिल कर पहले राय का सम्मान प्राप्त किया है। तेलंगाना इस क्रम में 98 फ़ीसदी से यादा परिवारों को नल से जल पहुंचाने का कार्य कर चुका है जबकि पुड्डुचेरी 87 प्रतिशत से अधिक और गुजरात 80 फीसदी से यादा का लक्ष्य हासिल कर चुका है। मिशन के तहत पिछले एक साल के दौरान अब तक 2.38 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जा चुका है। योजना का फोकस ग्रामीण महिलाओं तथा बचों पर यादा है और इसके तहत अभियान चलाकर उनको शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री का कहना है कि पेयजल संकट से सबसे यादा ग्रामीण महिलाओं को जोझना पड़ता है और यदि जल जीवन मिशन के तहत हर घर को नल से पानी पहुंचाया जाता है तो इससे ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के जीवन मे सबसे यादा सुधार और सबसे बड़ा बदलाव आएगा। श्री मोदी ने पिछले वर्ष 15 अगस्त को लाल किला से देश के हर परिवार को नल से जल देने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की थी जिसके तहत एक साल के भीतर अब तक 29.55 प्रतिशत घरों को मिशन से जोड़ा जा चुका है। जब श्री मोदी ने यह घोषणा की थी तो महज 17.02 फ़ीसदी घरों तक नल से जल पहुंचाने का काम हुआ था लेकिन प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद इसे मिशन के तौर पर आरंभ किया गया।

हाथरस मामला हाईकोर्ट भेजने के संकेत के साथ फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने हाथरस के कथित सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या मामले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने के संकेत के साथ गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रमासुब्रमण्यम की खंडपीठ ने विभिन्न पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसटर जनरल तुषार मेहता, राज्य पुलिस महानिदेशक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, आरोपियों में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा, पीड़िता के परिजनों की ओर से सीमा कुशवाहा और एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वकील इंदिरा जयसिंह ने खंडपीठ के समक्ष दलीलें पेश की। सुनवाई के शुरू में श्री मेहता ने पीड़िता के परिजनों एवं गवाहों को दी जाने वाली सुरक्षा का ब्योरा पेश किया, जो कल राज्य सरकार के हलफनामा में भी कहा गया था। इसके बाद पीड़िता के परिजनों की ओर से पेश सीमा कुशवाहा ने मुकदमे को दिल्ली स्थानांतरित करने की वकालत की। साथ ही मामले की सीबीआई जांच की अदालत से निगरानी का भी अनुरोध किया। इस बीच सुश्री जयसिंह ने दलील दी कि मुकदमा कहां चले, यह न्यायालय खुद तय करे और यदि दिल्ली में मुकदमा चलता है तो शीर्ष अदालत खुद या दिल्ली उच्च न्यायालय उसकी निगरानी करे। उन्होंने पीड़ित परिवार को उत्तर प्रदेश पुलिस के बजाय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सुरक्षा देने की मांग की।

जम्मू कश्मीर लद्दाख के लिए 520 करोड़ का पैकेज

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जम्मू कश्मीर और लद्दाख के वास्ते 520 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज दिये जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री सिन्हा ने कहा, मैं जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए 520 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। इससे ग्रामीण परिवारों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 की अवधि के लिए 520 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को मंजूरी दी है और दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई) को वित्त पोषण सुनिश्चित किया।

भारत की दो टूक

चीन को लद्दाख के मामले में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बारे में टिप्पणी के लिए चीन की कड़ी आलोचना करते हुए आज अपने रूख को दोहराया और कहा कि चीन को इस मामले में हस्तक्षेप करने या बोलने का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने आज साप्ताहिक वर्चुअल ब्रीफिंग में कहा कि इस पर हमारा रूख हमेशा स्पष्ट और दृढ है। जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न अंग रहे हैं, हैं और रहेंगे। चीन को भारत के आंतरिक मामलों में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। हमें आशा है कि वे देश भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी नहीं करेंगे जो दूसरों से यह अपेक्षा करते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने अरूणाचल प्रदेश के बारे में भी अपनी स्थिति अनेक बार स्पष्ट की है।

अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। चीनी पक्ष को उच्चतम स्तर पर यह तथ्य अनेक बारे स्पष्ट शब्दों में बताया जा चुका है। प्रवक्ता से भारत द्वारा हाल ही में सीमावर्ती क्षेत्रों में 44 पुलों का उद्घाटन किये जाने के बाद चीन की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया पूछी गयी थी।

विश्व के कई देशों में फिर तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले

वाशिंगटन/रियो डि जेनेरो/नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्व के कई देशों में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मामले फिर तेजी बढ़ रहे हैं और दुनिया में संक्रमितों का आंकड़ा 38,441,934 पहुंच गया है जबकि 10,91,945 लोगों की इससे मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व में अब तक कोरोना वायरस से 38,441,934 लोग संक्रमित हो चुके है और 10,91,945 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में संक्रमण से अब तक 216,858 लोगों की मौत हो चुकी है और 79,16,118 लोग संक्रमित हुये हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती के साथ गठबंधन का किया ऐलान

जम्मू, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुपकार बैठक के बाद मांग की है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को पुराने सभी अधिकार वापस दिए जाएं। इसके साथ ही फारूक अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती की पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान किया है।पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इस गठबंधन को पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन का नाम दिया है। बैठक के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कहा, हमने इस गठबंधन को पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन का नाम दिया है। हमारी मांग हैं कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को वो सारे अधिकार दिए जाएं जो हमसे छीने गए हैं। भारत सरकार राय के लोगों के उन अधिकारों को लौटाए जो उन्हें 5 अगस्त 2019 से पहले मिलते थे। उन्होंने कहा कि हम कुछ दिन बाद फिर मुलाकात करेंगे, जिसमें आगे के जो कदम हमें उठाने हैं, वो आपके सामने लाएंगे। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी उपस्थित थीं। फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू -कश्मीर के विशेष दर्जे के संबंध में गुपकार घोषणा पर भविष्य की कार्रवाई का खाका तैयार करने के लिए अपने आवास पर बैठक बुलाई थी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भी बैठक में शामिल हुई थीं। मुफ्ती को 14 महीने की हिरासत के बाद मंगलवार को छोड़ा गया। बुधवार को मुफ्ती से मुलाकात पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा था मेरे पिता और मैंने महबूबा मुफ्ती साहिबा से मिलकर रिहाई के बाद उनका हालचाल पूछा। उन्होंने कहा कि पीडीपी नेता ने गुपकार घोषणा पर हस्ताक्षर करने वालों की गुरुवार को होने वाली बैठक में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है। गुपकार घोषणा नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष के गुपकार स्थित आवास पर चार अगस्त, 2019 को हुई एक सर्वदलीय बैठक के बाद जारी प्रस्ताव है। इसमें कहा गया था कि पार्टियों ने सर्व-सम्मति से फैसला किया है।

यूपी में अधिकारियों के सामने हत्या

भाजपा विधायक के करीबी ने पुलिस अफसरों के सामने युवक के सीने में 4 गोलियां मारीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया में गुरुवार को पुलिस अधिकारियों और एसडीएम के सामने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मामला दुर्जनपुर के बैरिया का है। यहां कोटे की दो दुकानों का विवाद सुलझाने के लिए सीओ चंद्रकेश सिंह, बीडीओ बैरिया गजेंद्र प्रताप सिंह और एसडीएम सुरेश पाल पहुंचे थे। विवाद धीरेंद्र सिंह और जयप्रकाश उर्फ गामा पाल (46) के बीच था। पुलिस के मुताबिक, धीरेंद्र ने जयप्रकाश के सीने में 4 गोलियां मार दीं और फरार हो गया। धीरेंद्र बैरिया के भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह का करीबी बताया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस घटना का वीडियो ट्वीट किया है और घटना की निंदा की है। ग्राम सभा दुर्जनपुर व हनुमानगंज की कोटे की दो दुकानों के कोटे के लिए पंचायत भवन पर बैठक बुलाई गई थी। एसडीएम बैरिया सुरेश पाल, सीओ बैरिया चंद्रकेश सिंह, बीडीओ बैरिया गजेंद्र प्रताप सिंह के साथ ही रेवती थाने की पुलिस फोर्स मौजूद थी। दुकानों के लिये 4 स्वयं सहायता समूहों ने आवेदन किया था। दुर्जनपुर की दुकान के लिए दो समूहों के बीच मतदान कराने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि वोटिंग वही करेगा, जिसके पास आधार या कोई दूसरा पहचान पत्र होगा। एक पक्ष के पास कोई आईडी प्रूफ नहीं था। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने लगे। एक पक्ष ने फायरिंग शुरू कर दी। दुर्जनपुर के जयप्रकाश उर्फ गामा पाल को धीरेंद्र ने ताबड़तोड़ चार गोलियां मार दीं। जयप्रकाश को लेकर लोग सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इलाके में तनाव को देखते हुए फोर्स तैनात की गई है।

डायरेक्ट सेलिंग व्यापार को वाणिज्य मंत्रालय अधीन लाने की माँग

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबारियों के संगठन अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ ने डायरेक्ट सेलिंग व्यापार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत लाने की मांग करते हुए कहा है कि इससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति मिलेगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को बृहस्पतिवार को लिखे एक पत्र में परिसंघ ने कहा कि डायरेक्ट सेलिंग कारोबार को वाणिज्य विभाग के अधीन लाने से लाखों महिलाओं को शोषण और अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सकेगा। फिलहाल ये कारोबार उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधीन है। पत्र में कहा गया है कि डायरेक्ट सैलिंग देश के खुदरा व्यापार का ही एक अभिन्न हिस्सा है । इस क्षेत्र का देश में करीब 800 करोड़ रुपए का बाजार है जो सीधे तौर पर देश के लाखों छोटे व्यवसायी से जुड़ा है। वर्तमान में देश भर में लगभग 90 लाख कारोबारी डायरेक्ट सेलिंग से जुड़े है जिसमे 50 लाख महिलाएं हैं। परिसंघ के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि डायरेक्ट सैलिंग क्षेत्र प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण , स्किल इंडिया , लोकल पर वोकल और आत्मनिर्भर भारत में बहुत पहले से जुड़कर देश भर में लाखों लोगों को प्रतिवर्ष उद्यमी बना रहा है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मंत्रालय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करता है और उनके लिए ही समर्पित है जबकि वाणिज्य मंत्रालय देश में व्यापार और उद्योग क्षेत्र को देखता है । इस दृष्टि से डायरेक्ट सैलिंग क्योंकि एक व्यापार है इसलिए इसको वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत लाना ही उचित होगा तभी यह व्यापार देश में व्यवस्थित तरीक़े से पनपेगा और व्यापार में वृद्धि की सम्भावनाएँ बढेंगी तथा रोज़गार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।

शेयर बाजार में कोहराम,निवेशकों को हुआ करोड़ों का नुकसान, सेंसेक्स-निफ्टी धड़ाम

नयी दिल्ली, एजेंसी। आज सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। इससे पहले लगातार 10 कारोबारी सत्रों से शेयर बाजार में लाभ दर्ज किया जा रहा था, जो 13 साल में तेजी का सबसे बड़ा सिलसिला था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 2.61 फीसदी की गिरावट के साथ 1066.33 अंक नीचे 39728.41 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 2.43 फीसदी (290.70 अंक) की गिरावट के साथ 11680.35 के स्तर पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, आगे बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। इसलिए निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए। बाजार में आई गिरावट से निवेशकों को करीब तीन लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसली ने शेयर बाजार पर दबाव डला। हालांकि ऑटो और मेटल के शेयरों में खरीदारी से बाजार को थोड़ा सहारा मिला, लेकिन अंत में यह लाल निशान पर बुद हुआ।बुधवार को वैश्विक बाजारों में गिरावट देखने को मिली। अमेरिका का बाजार डाउ जोंस 0.58 फीसदी की गिरावट के साथ 165.81 अंक नीचे 28,514.00 पर बंद हुआ था। नैस्डैक 97.81 अंकों की गिरावट के साथ 11,985.40 अंकों पर बंद हुआ था। इसके अलावा एसएंडपी 500 इंडेक्स में 0.66 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई और यह 23.26 अंक नीचे 3,488.67 के स्तर पर बंद हुआ था। एशियाई बाजारों में आज जापान का निक्केई इंडेक्स 139.73 अंक गिरा। वहीं चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.20 फीसदी की मामूली बढ़त है।

मुंबई-पुणे में भारी बारिश

नयी दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद के बाद अब महाराष्ट्र के मुंबई और पुणे समेत कई इलाकों में बुधवार रात से मूसलाधार बारिश जारी है। पुणे के कई इलाकों में पानी भर गया है। यहां घरों, सड़कों, गलियों में घुटनों से ज्यादा पानी भरा है। मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे समेत उत्तरी कोंकण के कई इलाके में गुरुवार को भारी से भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। उधर, तेलंगाना में मंगलवार और बुधवार को हुई बारिश के बाद बिगड़े हालात में मरने वालों का आंकड़ा 30 हो गया है। मुंबई के लोअर परेल इलाके में भी जलभराव के हालात हैं। शहर के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का पानी भरने से राहगीरों की भी दिक्कतें बढ़ गई हैं। नेशनल डिजास्टर रिलीफ फोर्स (एनडीआरएफ) ने दो रेस्क्यू टीमें कर्नाटक और तीन महाराष्ट्र भेजी हैं। महाराष्ट्र भेजी गई टीमें सोलापुर, पुणे के इंदरपुर और लातूर में डिप्लॉय की गईं। कर्नाटक नीरावरी निगम लिमिटेड के मुताबिक, महाराष्ट्र में भारी बारिश की वजह से सोन्ना बैराज से 2 लाख 23 हजार क्यूसेक पानी अफजलपुर, कलबुरगी जिले में भीमा नदी में छोड़ा गया। मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य महाराष्ट्र में अगले 12 घंटे में 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। प्रभावित इलाकों में नुकसान की भी आशंका जताई गई है। सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी में गुरुवार को होने वाले ऑनलाइन और ऑफलाइन एग्जाम को स्थगित कर दिया गया है। रिवाइज शेड्यूल का ऐलान बाद में किया जाएगा। पुणे के बाढ़ प्रभावित नीमगांव केतकी गांव से बुधवार को 40 लोगों को रेस्क्यू किया गया। बारामती के एसडीओ के मुताबिक, 40 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 15 अन्य लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। वहीं, इंदापुर में एक व्यक्ति तेज बहाव में बह रहा था। हालांकि, स्थानीय लोगों ने जेसीबी की मदद से उसे बचा लिया। भीषण बारिश की वजह से मुंबई के सायन पुलिस स्टेशन और किंग्स सर्कल में भी सड़कें पानी से डूब गई हैं।

आतंकी घुसपैठ कराने की फिराक में पाकिस्तान

हम हर मंसूबे पर पानी फेरने को तैयार: सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने की घटना पर सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान बड़े पैमाने पर घुसपैठ कराने और हथियार भेजने की नापाक कोशिश कर रहा है। लेकिन, भारतीय सेना की सतर्कता के चलते उसके मंसूबे कामयाब नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारे जवान पाक की घुसपैठ की हर कोशिश को विफल कर रहे हैं। सेना प्रमुख ने बताया कि पाकिस्तान सर्दियां शुरू होने से पहले बड़े पैमाने पर घुसपैठ कराने और हथियार भेजने की फिराक में लगा है, लेकिन भारतीय जवानों की मुस्तैदी के चलते वह अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाएगा। आतंकवाद-रोधी अभियानों में हालिया सफलताओं पर नरवणे ने कहा, नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिशों को बार-बार नाकाम करने से यह स्पष्ट हो गया है कि हमारी आतंकवाद रोधी और घुसपैठ रोधी ग्रिड बेहद प्रभावी है। बता दें कि सुरक्षा बलों ने बीती 24 सितंबर से 15 अक्तूबर तक कुल 17 आतंकवादियों का खात्मा किया है, जिसमें पाकिस्तान समेत तीन विदेशी आतंकी शामिल हैं। सेना प्रमुख नरवणे का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब 14 अक्तूबर की सुबह सेना ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा के साथ सटे टंगडार (कुपवाड़ा) सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से किए गए एक बड़े बैट (बॉर्डर एक्शन टीम) हमले को नाकाम कर दिया। इस दस्ते में पाकिस्तानी सेना के कमांडो और आतंकी थे।

कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी और सतर्कता अत्यन्त आवश्यकः सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी और सतर्कता अत्यन्त आवश्यक है। अतः इसमें कोई भी ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड-19 संक्रमण की जांच की व्यवस्था लगातार सुदृढ़ की जा रही है, जिसके चलते आज तक प्रदेश में 1.25 करोड़ कोविड-19 टेस्ट किए जा चुके हैं। 30 सितम्बर, 2020 तक यह संख्या 01 करोड़ थी। इस प्रकार 15 दिन में कोविड-19 टेस्ट की संख्या में 25 लाख की बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने जनपद लखनऊ, कानपुर नगर व वाराणसी में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना की निगरानी के लिए सर्विलांस सस्टिम को और मजबूत किया जाए। उन्होंने आई0सी0यू0 बेड्स की संख्या निरन्तर बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अस्पतालों में दवाई व मेडिकल से जुड़ी अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सरप्लस में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 'प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने नगर विकास विभाग को स्टेट लेवल बैंकिंग कमेटी (एस0एल0बी0सी0) आहूत करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को स्वरोजगार के लिए ऋण इत्यादि की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा के दृष्टिगत हर थाने में एक महिला हेल्प डेस्क स्थापित की जाए। राज्य सरकार द्वारा लागू किया जा रहा 'मिशन शक्ति' अभियान शारदीय नवरात्रि से लेकर बासंतिक नवरात्रि तक निरन्तर चलाया जाएगा। महिला एवं बालिका सुरक्षा के दृष्टिगत यह राज्य सरकार का एक विशेष अभियान है, जिसमें पुलिस सहित अन्य विभागों का सहयोग अपेक्षित है। राज्य सरकार महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। नवरात्रि के दौरान इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को आत्मरक्षा के तरीकों के प्रति सजग और जागरूक किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करें और इसकी मॉनिटरिंग भी करें और नोडल अधिकारी कार्यों की समीक्षा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि धान किसानों की सुविधा के लिए धान क्रय केन्द्र पूरी सक्रियता से कार्य करें। इन केन्द्रों में धान की नमी को नापने वाले यंत्र की व्यवस्था की जाए, ताकि किसानों को धान विक्रय करने में कोई दिक्कत न हो। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 एवं सूचना नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नगर विकास दीपक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीओ देवेन्द्र मिश्र गैंगस्टर जय वाजपेयी ऑडियो टेप जाँच की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने आज दिवंगत सीओ देवेन्द्र मिश्रा तथा जय वाजपेयी के कानपुर निवासी पीयूष द्विवेदी के साथ कथित बातचीत की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने रखा। यह बातचीत देवेन्द्र मिश्र की तैनाती से जुडी है और इसमें पूर्व एसएसपी कानपुर नगर अनंत देव तथा एसीएस होम अवनीश अवस्थी का बार-बार उल्लेख है। यहाँ देवेन्द्र मिश्र यह दावा करते हैं कि अनंत देव ने अपना लखनऊ स्थित आवास कानपुर नगर के थानाध्यक्षों द्वारा दिए गए बिल्डिंग मटेरियल से बनवाया. पीयूष द्विवेदी यह कहते हैं कि जय वाजपेयी के अन्नू अवस्थी के माध्यम से अवनीश अवस्थी से नजदीकी संबंध हैं और वे देवेन्द्र मिश्र का काम करवा सकते हैं. जय वाजपेयी अवनीश अवस्थी से नजदीकी को स्वीकार करते हैं और देवेन्द्र मिश्र को काम कर देने का वादा करते हैं। नूतन ने इस ऑडियो टेप की पार्टी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजते हुए इसकी उच्चस्तरीय जाँच और कार्यवाही की मांग की है।

भाजपा विधायक ने निराला की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की

लखनऊ, संवाददाता। महाकवि पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की 58वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार को भाजपा लखनऊ उत्तर विधानसभा विधायक डा0 नीरज बोरा ने आईटी चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं नगर निगम के जोनल अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने निराला जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर महाकवि को नमन किया। पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए डा0 बोरा ने कहा कि समाज के विषमताओं से लड़कर आमजन की आवाज बनने वाले निराला सदैव अनुकरणीय रहेंगे। उन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से समाज और देश को दिशा देने का जो काम किया है उसको आगे ले जाने की जिम्मेदारी हम सब की है। निराला राष्ट्रवाद के कवि थे। उन्होंने कहा कि निराला जैसे महाकवि कभी-कभी पैदा होते हैं। निराला का साहित्य शोषित पीड़ित व उपेक्षित वर्ग का नेतृत्व करता है। बिल्लेश्वर बकरिहा, चतुरी चमार व कुल्ली भाट उनके साहित्य का दर्पण है। उन्होंने जनता के दर्द के प्रति संघर्ष किया और उसे अपनी रचनाओं में उतारा है।

योगी के साथ उनके मंत्रियों की भी मनोदशा खराब 2022 में जनता देगी जवाबः सुनील सिंह साजन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर एक फिर समाजवादी पार्टी से एमएलसी सुनील सिंह साजन ने योगी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कहा, उत्तर प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद है योगी सरकार अपराधियों पर कार्रवाई नहीं कर रही है। जिससे प्रति दिन बहन बेटियों के साथ हत्या, रेप जैसी घटनाएँ घट रही है। सुनील सिंह साजन ने कहा, अब तक तो मुख्यमंत्री ही संवेदनहीन बयान दे रहे थे, परंतु अब योगी सरकार के मंत्री भी संवेदनहीन बयान दे रहे है। इससे लगता है पहले तो मुख्यमंत्री की ही मनोदश खराब थी, लेकिन अब योगी जी के मंत्रियों की भी मनोदशा खराब हो गई है। इसका जवाब आने वाले चुनाव में जनता देगी।इस पागल सरकार को जनता आने वाले चुनाव में उखाड़ फेंकने का काम करेगी।

आज से खुल गए मल्टीप्लेक्स और सिनेमा घर, बरतनी होंगी हिदायतें

लखनऊ, संवाददाता। केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार उत्तर प्रदेश के मल्टीप्लेक्स और सिनेमा घर आज से खुल गए। हालांकि कुछ सिनेमा घर मालिक कल शुक्रवार से इसे खोलेंगे। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा घरों में तीन शो में फिल्में दिखाई जायेगी। सामान्य दिनों की तरह मल्टीप्लेक्स में ज्यादा शो नहीं होंगे। हर शो के बाद हॉल को सेनेटाइज करना होगा। हॉल में गाइडलाइन के अनुसार आधे दर्शक ही जा सकेंगे। मास्क सभी के लिए जरूरी होगा। बिना मास्क के प्रवेश नहीं दिया जायेगा। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा घर मालिक को टिकट दर नहीं बढ़ाने को कहा गया है।

बीए जागरुक फेस 2 कॅम्पेन की शुरुआत

लखनऊ, संवाददाता। आज बदलाव संस्था द्वारा बीए जागरुक फेस 2 कॅम्पेन की शुरुआत अल्पसुविधा प्राप्त क्षेत्र बसंत कुंज योजना सेक्टर पी दुबग्गा मे क्षेत्रीय सभासद प्रतिनिधि रितेश पटेल, आशा कार्यकत्री तथा समुदाय के लगभग 50 लोगों की उपस्थिती मे की गयी। इस अवसर पर बदलाव संस्था के संस्थापक शरद पटेल, प्रोग्राम मैनेजर भावना राई, चुन्नी लाल, राम वर्मा, महेंद्र प्रताप सुनील मौर्य आदि उपस्थित रहे। आज के प्री लॉच कॅम्पेन का विषय था 卐स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच हेतु समुदाय और कर्तव्य वाहकों मे समझ卐। समुदाय के लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को सभासद प्रतिनिधि पटेल के सामने रखा, समुदाय के प्रतिनिधि अशोक कुमार ने बताया कि जब से लॉकडाऊन हुआ तब से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंद ही रहता है, बदलाव द्वारा 12 युवाओं परवेज, अमित रावत, प्रियंका, ट्विंकल, रजत पटेल, शुभम सिंह चौहान, आशा रावत, सुनील, आकांक्षा मिश्रा, अभिमन्यु, आशीष यादव, योगेश कुमार को इस कॅम्पेन के लिए चयनित किया गया हैं, यह युवा आईसीपीडी के मुद्दों जैसे मात्रत्व स्वास्थ्य एव कुपोषण, लैंगिक भेदभाव, माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन, भ्रांतियाँ व रूढ़िवादी सोंच जैसे बाल विवाह, बालिका शिक्षा आदि मुद्दों पर कार्य करेंगे। यह समुदाय मे लोगों को इन मुद्दों पर जागरूक करेंगे तथा संबन्धित कर्तव्य वाहकों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। यह कार्यक्रम फाउंडेशन के सहयोग से 4 जिलो और 7 युवा केन्द्रित परिवर्तनकारी संस्थाओं द्वारा संचालित किया जा रहा हैं।

योगी ने संस्कृत विद्यालयों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संस्कृत विद्यालयों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार संस्कृत भाषा के उन्नयन के लिए कृतसंकल्पित है। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार ने अनेक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप उनके लिए रहने तथा भोजन आदि की व्यवस्था की जाए। इस सम्बन्ध में स्वयं सेवी संस्थाओं तथा सी0एस0आर0 फण्ड का सहयोग भी प्राप्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के सकारात्मक रुख के कारण ही माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद का गठन सम्भव हुआ है। माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के गठन से परीक्षाएं समय पर सम्पन्न हो रही हैं तथा इनके परिणाम भी समय पर आ रहे हैं। परिषद की वेबसाइट को लॉन्च करते हुए संस्कृत को तकनीक के साथ जोड़ने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत के उन्नयन के लिए आवश्यक है कि इसको आधुनिकता से जोड़ा जाए। संस्कृत विद्यालयों का पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए, जिससे शिक्षा को गुणवत्तापरक बनाते हुए विद्यार्थियों का भविष्य भी बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि दुनिया मान रही है कि संस्कृत ही कम्प्यूटर की सबसे सुगम भाषा हो सकती है। इसलिए संस्कृत विद्यालयों में पारम्परिक पठन-पाठन के साथ-साथ विज्ञान, कम्प्यूटर तथा गणित की शिक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है। इसके माध्यम से संस्कृत का आधुनिकता व पुरातन के साथ सामंजस्य स्थापित हो सकेगा।

ग्लोबल हैण्डवॉशिंग डे पर बोले योगी स्वच्छता की आदतों को अपनाकर ही आरोग्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा है कि हम सभी सामान्य सी दिखने वाली स्वच्छता की आदतों को अपनाकर एक स्वस्थ एवं आरोग्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। योगी ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर 'ग्लोबल हैण्डवॉशिंग डे पर अभियान का शुभारम्भ करते हुए कहा कि हम स्वच्छता की आदतों को अपनाकर एक स्वस्थ एवं आरोग्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। उन्होंने कहा कि हाथ धोना हमारे व्यवहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे हम विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल खण्ड में हाथ धोने का विशेष महत्व है। वैश्विक महामारी कोविड-19 की अभी तक कोई कारगर दवाई नहीं आयी है, बचाव व सतकर्ता ही इसका उपचार है। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर को दुनिया 'ग्लोबल हैण्डवॉश डे के रूप में मनाती है।

पत्रकारो ने बढ़ाए अग्नि पीड़ितो की तरफ मदद के हाथ बाटे कपड़े और भोजन

आग मे जले गुड्डू के ई रिक्शा की जुगाड़ भी करेगे पत्रकार

लखनऊ, संवाददाता। रविवार की रात भीषण आग की चपेट मे आकर बर्बाद हुए ऐशबाग राम नगर झोपड़ पटटी के बाशिन्दो की मदद के लिए अब पत्रकार भी सामने आए है। गुरूवार की सुबह अग्नि पीड़ितो की बस्ती पूरी टीम के साथ पहुॅचे वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वहीद ने जली हुई बस्ती मे जाकर आग से तबाह हुए लोगो को न सिर्फ कपड़े बाटे बल्कि पीड़ितो के खाने के लिए भोजन का इन्तिजाम भी किया।

पत्रकारो की टीम के साथ राम नगर झोपड़ पटटी पहुॅचे पत्रकार अब्दुल वहीद ने अग्नि पीड़ितो का दर्द बाटते हुए उन्हे आश्वासन दिया कि वो सरकार से निवेदन करेगे कि आग से जितने परिवार प्रभावित हुए है उन परिवारो के जीवन की गाड़ी को दोबारा पटरी पर लाने के लिए सरकार इन पीड़ितो की और मदद करे। पत्रकार अब्दुल वहीद का कहना है कि सरकार की तरफसे अग्नि पीड़ितो को जो मदद दी गई है उके लिए सरकार का धन्यवाद लेकिन जो मदद दी गई है वो पीड़ितो के लिए नाकाफी है उन्होने कहा कि सरकार को बस्ती मे आग से हुए नुकसान का दोबारा आंकलन करा कर पीड़ितो को और मुआवजा देना चाहिए। आग से प्रभावित झोपड़ पटटी पत्रकारो की टीम के साथ पहुॅचे वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वहीद ने बताया कि आग की जद मे आकर बस्ती में रहने वाले गरीब गुड्डू का ई रिक्शा भी जल गया था ई रिक्शा जलने के बाद गुड्डू का परिवार भुखमरी की कगार पर न पहुॅचे इस लिए गुड्डू को दूसरा ई रिक्शा दिलाने के लिए हम लोग प्रयासरत है उन्होने कहा कि हम पत्रकार कोशिश कर रहे है कि गुड्डू को दूसरा ई रिक्शा दिलाने के लिए धन एकत्र कर उसे जल्द ही ई रिक्शा खरीद कर सौंपा जाए। आग से तबाह हुए लोगो के बीच पहुॅचे पत्रकार अब्दुल वहीन पीड़ितो के बीच पहुॅच कर भावुक हो गए गरीबो का दुख देख कर उन्होने दुखी मन से अग्नि पीड़ितो को आश्वासन दिया कि वो हर सम्भव प्रयास करेगे कि वो अग्नि पीड़ितो की खोई हुई खुशिया वापस लाने मे उनके सहयोगी बने। राम नगर की बस्ती मे बुद्धवार को प्रदेश के कानून मंत्री बृजेश पाठक ने पहुॅच कर अग्नि पीड़ितो को आर्थिक सहायता दिए जाने के प्रमाण पत्र सौपे थे यही नही आग लगने के बाद तमाम समाज सेवियो ने इन दुखियारो की मदद मे कोई कसर नही छोड़ी है कोई खाना लेकर पहुॅच रहा है तो कोई कपड़े लेकर यहां तक इस्लामिक सेन्टर आफइन्डिया की तरफ से बस्ती मे रहने वाली तबस्सुम के विवाह की जिम्मेदारी ली है तबस्सुम का विवाह इस्लामिक सेन्टर मे होगा।

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 2728 नये मामले आये सामने

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि आज ग्लोबल हैण्ड वाशिंग के अवसर पर हैण्ड वाशिंग के लाभ के बारे में प्रकाश डाला जा रहा है। वर्तमान में कोरोना संक्रमण के काल में हैण्ड वाशिंग, कोरोना से बचाव एवं उसके संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के लिए सबसे अच्छा उपाय है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर हाथ को साबुन-पानी से धोने व साफ रखने से शरीर के अन्दर विषाणु जाने एवं स्वयं को संक्रमण से बचाया जा सकता है। श्री प्रसाद ने बताया कि प्रदेश ने कल कोविड-19 की टेस्टिंग में नया बैंच मार्क स्थापित करते हुए कुल जांच की संख्या सवा करोड़ का आकड़ा पार किया है। प्रदेश में 30 सितम्बर, 2020 को कुल टेस्टिंग में एक करोड़ का आकड़ा पार किया था। पिछले 15 दिनों में 25 लाख और टेस्ट किये गये। कल प्रदेश में एक दिन में कुल 1,54,163 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 1,25,09,210 सैम्पल की जांच की गयी है। प्रदेश कुल टेस्टिंग में देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 2728 नये मामले आये हैं। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 3239 व्यक्ति उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये हैं। अब तक कुल 4,04,545 लोग पूर्णतया उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 90.42 प्रतिशत हो गया है। प्रदेश में 36,295 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। एक्टिव केसों में पिछले 04 सप्ताह में 47 प्रतिशत की कमी आयी है। होम आइसोलेशन में 16,995 लोग हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 2,48,045 लोग होम आइसोलेशन की सुविधा प्राप्त करते हुए 2,31,050 लोगों ने अपने होम आइसोलेशन की अवधि पूर्ण कर ली है।

चालक को नशीला पदार्थ पिला कर ई रिक्शा लेकर चम्पत हुए जहर खुरान टप्पेबाज

पालीटेक्निक से बुक किया रिक्शा ठाकुरगंज मे हुई टप्पेबाजी की घटना

लखनऊ, संवाददाता। दो दिन पहले पालीटेक्निक के पास से ठाकुरगंज के लिए ई रिक्शा बुक करा कर लाए दो जहर खुरान टप्पेबाजो ने ठाकुरगंज क्षेत्र मे ई रिक्शा चालक को कोल्ड ड्रिंक मे नशीला पदार्थ मिला कर बेहोश कर दिया और ई रिक्शा लेकर फरार हो गए। कई घण्टो बाद जब ई रिक्शा चालक होश मे आया तो उसने अपने आपको घटना स्थल से करीब दो किलो मीटर दूर पाया। जहर खुरान टप्पेबाजो की टप्पेबाजी का शिकार हुए ई रिक्शा चालक ने पहले चौक कोतवाली पहुॅच कर शिकायत की लेकिन घटना स्थल ठाकुरगंज होने की वजह से चौक पुलिस ने उसे ठाकुरगंज थाने भेज दिया। ठाकुरगंज थाने पहुॅचे पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है इन्स्पेक्टर ठाकुरगंज का कहना है कि जॉच की जा रही है कार्यवाही की जाएगी।जानकारी के अनुसार बड़ा खुदान मड़ियांव के रहने वाले मोहम्मद इरफान का 22 वर्षीय पुत्र मोहम्मद फैजान यही के रहने वाले सईद का ई रिक्शा किराए पर चलाता है। मंगलवार की शाम को फैजान का ई रिक्शा पालीटेक्निक के पास एक व्यक्ति द्वारा ठाकुरगंज जाने और फिर वापस आने के लिए 4 सौ किराया तय करके बुक किया गया था। पालीटेक्निक के पास रिक्शा बुक कराने वाला सवार हुआ और निशातगंज के पास से उसका दूसरा साथी भी सवार हो गया। फैजान रिक्शे पर दोनो सवारियो को बैठा कर ठाकुरगंज के मंजू टन्डन ढाल के पास सूर्या पैलेस के करीब पहुॅचा जहां एक सवारी उतर कर चली गई दूसरे ने कहा 15 मिनट रूको वापस चल रहे है । फैजाघ्न अपना रिक्शा वही खड़ा कर कर ई रिक्शे पर बैठ गया तभी वो व्यक्ति पास की एक दुकान गया और कोल्ड ड्रिंक की बोतल और चिप्स लेकर वापस आया और उसने कोल्ड ड्रिंक की बोतल ई रिक्शा चालक फैजान को दी फैजान ने ठंडा पीने से पहले इन्कार किया लेकिन उस व्यक्ति द्वारा बार बार कहने पर फैजान ने कोल्ड ड्रिंक पी ली कुछ देर बाद फैजान नशे मे हो गया तभी दूसरी सवारी भी वापस आ गई। फैजान के अनुसार उसे यहां तक तो याद है कि उसने कोल्ड ड्रिंक पी और वो नशे मे आ गया लेकिन बाद मे उसके साथ क्या हुआ उसे ये नही पता। ई रिक्शा मालिक सईद ने बताया कि मंगलवार को जब फैजान देर तक वापस नही आया तो उसे वो बार बार काल कर रहा था फैजान काल रिसीव नही कर रहा था रात करीब साढ़े ग्यारह बजे उसने काल रिसीव की और बदहवास हालत मे बताया कि वो चौक के पास है सईद के अनुसार जब वो चौक पहुॅच तो फैजान नशे की बदहवास हालत मे था उसने पूरा वाकया बताया तो सईद ने चौक चौराहे पर पुलिस बूथ पर जाकर सूचना दी। सईद का कहना है कि उन्होने दूसरे दिन चौक कोतवाली पहॅुच कर जब घटना स्थल और घटना के सम्बन्ध मे जानकारी दी तो उन्हे ठाकुरगंज थाने भेज दिया गया। सईद के अनुसार उन्होने ठाकुरगंज पुलिस को भी तहरीर दी है लेकिन मुकदमा अभी तक दर्ज नही हुआ है। इस सम्बन्ध मे इन्स्पेक्टर ठाकुरगंज राजकुमार ने बताया कि पीड़ित के द्वारा दो तरह की तहरीरे दी गई है उन्होने बताया कि ई रिक्शा चालक बार बार अपने बयान बदल रहा है जिससे घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है उन्होने कहा कि मामले की जॉच जारी है जॉच मे यदि घटना सत्य पाई जाएगी तो मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा सरकार किसानों को आयकर के दायरे में लाना चाहती हैःअखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार अन्नदाता किसान के साथ कई तरह के छलकपट करने की रणनीति बनाने में व्यस्त है। किसानों के खेत छीनने की मंशा के साथ प्रधानमंत्री ने अब उसे 'उद्यमी' बनाने की ओर प्रयास करने की साजिश की ओर भी इशारा कर दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि भाजपा सरकार अब किसानों को भी आयकर के दायरे में भी लाना चाहती है। किसान को अभी तक मिलने वाले लाभों को शीघ्र ही समाप्त कर दिया जाएगा। समाजवादी पार्टी की स्पष्ट राय है कि किसान को अन्नदाता की श्रेणी में रहने दिया जाए। लेकिन कृषि को उद्योगों जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए। कृषि से सम्बन्धित तीनों कानून किसानों के हितों के विरूद्ध है। इसके खिलाफ किसानों में व्यापक आक्रोश है। उसकी योजना अन्नदाता को खेतिहर मजदूर बना देने की है। किसान की खेती कारपोरेट को सौंप दी जाएगी। उसकी फसल का सौदा भी अब बड़े एजेण्टों, व्यापारियों की मर्जी पर होगा। वास्तव में भाजपा सरकार किसानों के साथ सिर्फ छलावा करती आई हैं। किसानों की कर्जमाफी या उनकी आय दुगनी करने की बात हो अथवा उनकी फसल की लागत का डयोढ़ा मूल्य देने की भाजपा सरकार इनमें से एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई है। इसके बजाय सरकार तरह-तरह के प्रपंच रचने में लगी है। अन्नदाता किसान न केवल सबका पेट भरता है अपितु देश की सीमाओं के रक्षा के लिए अपने बेटे भी देता है। जीडीपी में वृद्धि और रोजगार की उपलब्धता भी कम ज्यादा किसान से जुड़ी है। लाकडाउन के दौर में अर्थव्यवस्था में जो भारी गिरावट आई है उसके उद्धार में भी कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका आंकी गई है। भाजपा सरकार किसान को राहत देने, उसका कर्जमाफ करने, उसकी सभी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित कराने, गन्ना किसानों का बकाया समय से दिलाने आदि के मामलों में तो पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रही है।

दुर्दशा सरकारी जूनियर हाई स्कूलों की-जिम्मेदार बने मौन

इंस्पायर एवार्ड में कैसे हो बच्चों के नामांकन-शिक्षक निभा रहे कई-कई ड्यूटी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में सरकारी प्रायमरी एवं जूनियर हाई स्कूलों की जो दुर्दशा है उससे सभी वाकिफ है। कही पढ़ने वाले बच्चे नहीं है तो कही पढ़ाने वाले अध्यापक नही है और जहॉ दोनो है तो शिक्षक बच्चों की कापी-किताबे, ड्रेस एमडीएम का पैसा घर-घर बॉट रहे है। उससे बचे तो विभाग ने कोविड में ड्यूटी लगा रखी है। संडे तक की छुट्टी शिक्षकों को नही मिल पा रही है। राजधानी लखनऊ में कुल 472 पूर्व माध्यमिक विद्यालय जूनियर हाई स्कूल संचालित है। परन्तु इनमें से केवल दो को छोड़कर बाकी अन्य 470 विद्यालयों ने भारत सरकार की इंस्पायर एवार्ड मानक-2020-21 में तीन महीने की समयावधि बीत जाने के बाद और अंतिम तिथि बढ़ा कर 15 अक्टूबर कर दिये जाने के बाद भी अपने स्कूल के बच्चों का नामांकन नहीं कराया। कोविड महामारी के चलते और अभी तक स्कूलों के बन्द रहने के बाद भी मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार के अथक प्रयासों से पूरे प्रदेश में लखनऊ मंडल पहले स्थान पर आ गया। उन्होने बताया कि गत वर्ष लखनऊ के 156 विद्यालयों सें 552 नामांकन की तुलना में इस बार रिकार्ड 185 विद्यालयों से 664 नामांकन दोपहर तक हुये है। हालांकि प्रदेश में गतवर्ष 6887 नामांकन हुये थे। इस बार प्रदेश में कुल नामांकन पिछली बार की तुलना में कम हुये है परन्तु लखनऊ ने पिछला रिकार्ड तोड़ दिया है। गरीब संवर्ग के बच्चों के लिये भारत सरकार की इस प्रतियोगिता में वही बच्चे नदारद है जिनके लिये यह आयोजित की जाती है। इंस्पायर एवार्ड नामांकन में सबसे बुरा हाल परिषदीय विद्यालयों का रहा। गत वर्ष मात्र एक नामांकन जूनियर हाई स्कूल कठिगरा, काकोरी से हुआ था। इस बाद दो बच्चों के नामांकन इसी स्कूल से हुये और एक नामांकन जूनियर हाई स्कूल, जौरिया, मलिहाबाद से हुआ है। जबकि केवल लखनऊ में 472 परिषदीय विद्यालय संचालित हो रहे है। इस शून्यता के लिये पूरी तरह से जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार है। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को पढ़ाई के अतिरिक्त सारे कार्य करने पड़ रहे है। बच्चों को कापी किलाबें, ड्रेस जूते-मोजे, एमडीएम का पैसा, राशन बांटने के काम शिक्षकों को ही करना पड़ रहा है। इससे कुछ बचता है तो उनकी ड्यूटी कोविड में लगा दी जाती है।

कांग्रेस में जाने का सवाल नहीं समाजवादी पार्टी का निष्ठावान कार्यकता हूँः लौटन निषाद

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौ0 लौटन निषाद ने आज जारी यहां बयान में कहा कि समाजवादी पार्टी के पद से हटा हूँ न कि दल से और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के दिल से। समाजवादी था, समाजवादी हूँ और समाजवादी ही रहूँगा। उन्होंने कांग्रेस में जाने की अफवाह का खंडन करते हुए कहा कि कुछ विरोधी तत्व इस तरह की अफवाह उड़ायें है कि दिग्विजय सिंह के माध्यम से कांग्रेस में शामिल हो गया हूँ, जो कि हास्यास्पद व झूठा दुष्प्रचार है। उन्होंने कहा कि पद से हटने का मुझे किसी भी प्रकार का मलाल नहीं है और न ही पार्टी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के प्रति कोई गलत भावना। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का निर्णय स्वीकार है और उन्होंने जो भी निर्णय लिये होंगे पार्टी के हितार्थ ही लिये होंगे। निषाद ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा में कोई अन्तर नहीं है। दोनों एक सिक्के के दो पहलू है। मण्डल कमीशन, सामाजिक न्याय व पिछड़ा वर्ग आरक्षण के विरोधी भाजपा व कांग्रेस दोनों है। लौटन निषाद सामाजिक न्याय के प्रति बिल्कुल प्रतिब(, आब(व कटिब(है। सामाजिक न्याय के सूत्र धार ज्योतिबा फूले, सामाजिक न्याय के जनक छत्र पति साहू जी महाराज, पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए प्रथम संविधान संशोधन कराने वाले ई0वी0 रामा स्वामी नायकर, संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर, मण्डल मसीहा बिन्देश्वरी प्रसाद मण्डल, वयस्क मताधिकार के सूत्रधार बाबू राम चरण निषाद, राम प्रसाद अहिर, शिव दयाल व बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की सामाजिक न्याय की विचारधारा से पूरी तरह रचा बसा हूँ। निषाद ने कहा कि मिशन-2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रहा था और उसी लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित होकर निष्ठा लगन ईमानदारी के साथ पिछड़े दलित वंचित अकलियत व पसमान्दा समाज को जोड़ने व जगाने के लिए कार्य करूँगा।

क्या बेटियों को बचने के लिए उन्हें छुपाना पड़ेगाः फहीम सिद्दीकी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में अपराध के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। अपहरण, बलात्कार, हत्या में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर है कानून व्यवस्था धवस्त हो चुकी है, इसी को लेकर राष्ट्रपति को एक ज्ञापन दिया गया जिसमे मांग की गयी है की उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति राज लागू किया जाये। उत्तर प्रदेश की मौजूदा बीजेपी सरकार में अपराध अपनी चरम सीमा पार कर चुकी है, सरकार का गुंडों और अपराधियों पर कोई नियंत्रण नहीं है, हर रोज किशोरियों का अपहरण, बलात्कार और हत्या हो रही है, ताजा मामले हाथरस, बलरामपुर, प्रयागराज, लखीमपुर का है। इस समय उत्तर प्रदेश अपराध प्रदेश बन चुका है, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा अच्छा लगा था, लेकिन यह नारा भी चुनावी नारा बनकर रह गया जो अब बेटी जलाओ और अपराधी बचाओ बन गया है, सरकार बेबस नजर आ रही है।

कई महिलाएं 354 को हथियार बना लोगों से कर रही उगाही

उरई। वैसे तो जिले में कई छेड़खानी का घटनाएं आमतौर पर होती रहती हैं लेकिन अब इन घटनाओं ने झूठी शिकायतों का रूप ले लिया। कई महिलाओं द्वारा पुरुषों का उत्पीड़न कर उगाही झूठी शिकायतें कर उनसे वसूली का काम शुरू कर दिया है। जिले में मारपीट व छेड़खानी की रोजाना कम से कम 20 से ज्यादा शिकायतें थानों व कोतवाली में दर्ज करायी जाती हैं। इसके बाद आधी से भी कम शिकायतों में कार्रवाई होती और आपसी सहमति से ले देकर समझौता कर लिया जाता है। किंतु जिले में के साथ शहर में कई महिलाएं इस धारा को हथियार बना चुकी हैं और वह एक व्यक्ति के साथ ही कई लोगों की बार-बार कोतवाली में छेड़खानी की झूठी शिकायत करतीं हैं जिनकी बगैर जांच के ही पुलिस कार्रवाई कर देती है और वह महिलाएं जिनकी शिकायत करतीं हैं मोटी रकम वसूलकर समझौता कर लेती हैं।

जांच के ही हो कार्रवाई

वैसे तो जब महिलाएं या युवतियां थाना या कोतवाली में छेड़खानी की शिकायत करने जाती हैं तो पुलिस बगैर किसी ठोस सबूत के उसे सही मान लेती है और तुरंत ही एनसीआर दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर थाना, कोतवाली में बैठा लेती है। इसके बाद पकड़े गये व्यक्ति के परिजन उस महिला पर समझौता करने का दबाव बनाते हैं तो वह मोटी रकम वसूलकर समझौता कर लेती हैं। इसलिए पुलिस को चाहिए कि घटनास्थल पर जाकर पूरी जांच करने के बाद ही कार्रवाई करनी चाहिए।

बार-बार शिकायत करने वाली महिलाएं हों चिन्हित

छेड़खानी की बार-बार शिकायतें करने वाली महिलाएं व युवतियों को चिन्हित किया जाना चाहिए। इसके बाद उनसे पूछताछ करनी चाहिए के एक महीने या एक साल में उनके साथ कितने बार छेड़खानी होती है जो वह आये दिन लोगों के खिलाफ छेड़खानी की शिकायत करने चली हैं। इससे उन महिलाओं पर लगाम लगेगे जो 354 की धारा को वसूली का माध्यम बना चुकी हैं।

कई शिकायतें थाने के बाहर की निपटतीं

जब छेड़खानी की शिकार महिला थाने या कोतवाली में शिकायत करने जाती है तो महिला के गुर्गे पहले से थाने के बाहर ही घूमते रहते हैं जो कि महिला के इशारे पर आरोपित व्यक्ति के परिजनों या आरोपित से ही सीधे बात करते हैं और कहते हैं कि रुपए ले देकर मामला निपटा लो नहीं तो थाने और अदालत के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसके बाद भयभीत आरोपित उन्हीं दलालों के माध्यम से सौदा करता है और शिकायत करने वाली महिला को बुलवाकर थाने के बाहर की रुपए लेकर समझौतानामा लिख दिया जाता है।

आगामी त्यौहार के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा की गयी बैठक

मकबूल अहमद। जनपद श्रावस्ती में पुलिस कार्यालय के सभागार कक्ष में जिलाधिकारी श्री टी0के0 शीबु व पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द कुमार मौर्य की अध्यक्षता में जिला के सभी पुलिस व प्रशासन के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ आगामी त्यौहार नवरात्रि, विजयदशमी/दशहरा, बारावफात आदि को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु बैठक की गयी। बैठक में त्यौहारो के दृष्टिगत शासन के गाइड-लाइन के अनुसार होने वाले आयोजनो की कोविड-19 के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करना व सभी आयोजको को शासन के नियमों से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए सभी थाना प्रभारियों को बताया गया कि सभी लोग क्षेत्र भ्रमण कर ग्राम स्तर पर सम्भ्रान्त व्यक्तियों के साथ बैठक कर वार्ता कर लोगो को जागरुक किया जाय। मादक पदार्थों/अवैध शस्त्रों आदि की तस्करी रोकने के लिए अभियान चलाकर तस्करो के विरुद्ध कार्यावही करने के दिशा-निर्देश दिये गये। वांछित/वारंटियो की गिरफ्तारी करने व शातिर अपराधियों को चिन्हित कर गैंगेस्टर आदि की कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि आगामी त्यौहारो के दृष्टिगत क्षेत्र में भ्रमण कर सतर्क दृष्टि बनाये रखें तथा पैदल गस्त के दौरान व्यापारियों से वार्ता कर दुकानों पर सीसीटीवी लगवाने व सक्रिय रखने तथा भीड़-भाड़ एकत्र न करने, समाजिक दूरी के नियमो का पालन करने, मास्क, ग्लब्स आदि का प्रयोग करने हेतु जागरुक किया जाय। इस दौरान अपर जिलाधिकारी श्री योगानन्द पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक श्री बी0सी0 दूबे, उपजिलाधिकारी भिनगा/जमुनहा/इकौना व क्षेत्राधिकारी नगर/इकौना सहित सभी थाना/चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में जुटे ग्रामीण सफाई कर्मचारी

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में संपूर्ण प्रदेश में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है । जिसके निर्देश प्रदेश के प्रमुख सचिव पंचायती राज विभाग मनोज कुमार सिंह जी द्वारा पंचायतीराज विभाग को दिए गए हैं ।लखनऊ जनपद के जिला पंचायत राज अधिकारी निरीश चंद्र साहू ने अपने अधिनस्थ समस्त सफाई कर्मचारी को उक्त आदेश का कड़ाई से पालन किये जाने को कहा है। उनके द्वारा बताया गया कि सरकार की मंशा अनुरूप समस्त विकास खंडों के सफाई कर्मचारियों द्वारा अपनी ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है जिसके अन्तर्गत गांवों में सेनेटाइजेशन,फगिंग, एंट्री लार्वा दवा का छिड़काव ,सिंगल यूज प्लास्टिक का एकत्रिकरण व कूड़े का उचित निस्तारण कराया जाना प्राथमिकता है। जिसमें आम जनमानस की मदद लेते हुए साफ- सफाई के प्रति लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। जिले में मुख्यमंत्री जी के निर्दोषों के परिपालन में पंचायतीराज के ग्रामीण सफाई कर्मचारी पूरी तन्मयता के साथ अवकाश के दिनों में भी अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। जिसको लेकर सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रामकिशन वल्मिकी जी द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया । यह जानकारी पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला महामंत्री (मयंक) द्वारा दी गई।

डीएम ने कोविड-19 अस्पताल एल-2 में उपलब्ध सुविधाओं का लिया जायजा जाना मरीजों का हाल

संतकबीर नगर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जनपद में मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लोकार्पित कोविड-19 अस्पताल एल-2 में पहुचकर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा भर्ती मरीजों का हाल चाल जाना। उक्त एल-2 अस्पताल के प्रथम मरीज कोविड-19 संक्रमित 72 वर्षीय काशी जी के आज स्वस्थ्य हो कर घर जाने के दौरान जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर तथा गुलाब का पुष्प भेंट कर उनके स्वस्थ्य रहने एवं दीर्घायु होने की कामना किया। जिलाधिकारी ने एल-2 कोविड अस्पताल के बेहतर संचालन एवं मरीजों के सघन देखभाल के प्रयासों की सराहना करते हुए कोविड-19 संक्रमण से बचाव सम्बंधित सुरक्षात्मक उपायों के प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता जारी रखने के प्रति लोगो को सचेत भी किया।

धूमधाम से मनाया गया भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपी जे अब्दुल कलाम का जन्मदिवस...

रुद्र प्रताप सिंह औरास उन्नाव भारत रत्न,मिसाइल मैन,पूर्व राष्ट्रपति, अद्भुत संत,वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन मूल्यों से प्रेरित होकर वर्ष 2005 में स्थापित सामाजिक संस्था %राष्ट्र समर्पित नवजवान मंच% एवं सहोदर संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में स्कॉलर मिशन स्कूल औरास,उन्नाव के सभागार में समारोह पूर्वक डॉक्टर कलाम की जयंती मनाई गई इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य विभूतियों की उपस्थिति में ÷अपरिग्रही डाॅ कलाम की वर्तमान में प्रासंगिकता÷ विषय पर एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोष्ठी में अपने विचारों को व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि मोहान विधानसभा से विधायक श्री बृजेश रावत जी ने कहा कि, आज की युवा पीढ़ी को कलाम के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सम्यक विकास करना चाहिए जिससे श्रेष्ठ भारत का निर्माण हो सके। अध्यक्ष प्रधानाचार्य परिषद कानपुर नगर डॉॅ गिरीश कुमार मिश्रा ने कहा कि,आज के आदमी की हजारों समस्याओं का समाधान अपरिग्रह जीवन शैली में ही निहित है। पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन उन्नाव श्री विनय मोहन ने कहा,डॉक्टर कलाम ने जो भारत को ऊंचाई प्रदान की है वह हमेशा याद रखी जाएंगी। सभी संस्थाओं के संस्थापक उमेश तिवारी एडवोकेट ने कहा कि,आज के मानव के जीवन में अपरिग्रह पहले से कहीं अधिक आवश्यक है।इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री श्री आशीष बाजपेई,माध्यमिक शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री श्री गौरव शुक्ला,पूर्व जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी श्री अरविंद कमल,जानकीकुंड मुख्य ट्रस्टी श्री रमाकांत तिवारी,राष्ट्र समर्पित नवजवान मंच के अध्यक्ष रामजीवन कनौजिया,महामंत्री अनुज मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आदर्श शिक्षक राजीव त्रिपाठी एवं धीरेंद्र मिश्रा,नवाचारी शिक्षक रामकुमार यादव एवं दिलीप द्विवेदी, महेंद्र अस्थाना,मोतीलाल,दिनेश द्विवेदी, संदीप सिंह,ज्योति,वंदना,भानु रावत, सत्येंद्र द्विवेदी,डॉ अरविंद,रामवतार,डॉ आदित्य सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

किसान संगोष्ठी मे किसानो को सम्मानित करते-राहुल तिवारी

छावनी। यूएस-305 सीड्स किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप मे किसानों को संबोधित किये राहुल तिवारी जिसमे एफ.डी.ओ. शिवम सिंह उपस्थित रहे संबोधित करने के बाद किसानों को सम्मानित भी किया और उसके बाद दलित बस्ती में जाकर मास्क वितरण किया और बताया अभी कोरोनो के प्रति हमे बिल्कुल लापरवाही नही करना है ,उसके प्रति हमे सचेत रहना है , और अंत मे वहाँ उपस्थित युवाओं और किसानो के साथ जय जवान जय किसान का जयघोष किया।

अनियमित तरीके से कोटेदार चयन का ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर लगाया आरोप

महराजगंज! नौतनवां तहसील क्षेत्र के ब्लॉक लक्ष्मीपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परसौनी कला के ग्राम प्रधान के ऊपर ग्रामीणो ने अनियमित तरीके से कोटेदार को चयन करने का आरोप लगाया है आपको बताते चले की मिली जानकारी के मुताबित ब्लॉक लक्ष्मीपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परसौनी कला के ग्राम प्रधान के ऊपर ग्रामीणो ने आरोप लगाया है की पहले के कोटेदार सही से राशन नही बाटते थे जिससे उनको बर्खास्त कर दिया गया था।

और दूसरे कोटेदार को चयन करना था लेकिन ग्राम प्रधान ने बिना खुली बैठक कराए एक नए कोटेदार को बन्द कमरे में गुप्त मीटिंग करके नाम चयनित कर प्रस्ताव आगे भेज दिया वही गाव वालो का आरोप हैं कि जिन सदस्यों का फ़ाइल में दस्तखत और अंगूठा लगाया गया हैं वो उनका नही हैं जिस सदस्य की उपस्तिथि मीटिंग के दिन गाव में थी ही नही उसका भी अंगूठा लगाया गया हैं और गाँव के लोग भी उपस्थित नही थे उनका (साइन) अंगूठा लगाकर अपने हिसाब से किया गया वही जब इसकी जानकारी ग्रामीणो.को लगी तो पहले एक तहरीर सांसद पंकज चौधरी को दिया वही दूसरा तहरीर ग्रामीणों ने बिकास खंड अधिकारी लक्ष्मीपुर को दिया वही तीसरा कम्प्लेन उपजिलाधिकारी नौतनवां को दिया ग्रामीणों का कहना था की भ्र्ष्ट प्रधान के ऊपर जाच बिठाकर उचित कार्यवाही करे और फिर से खुली बैठक के साथ नए कोटेदार को चयन किया जाए वही इसमे मौजूद ग्रामीण में समाजसेवी संदीप सिंह, राजेश, ओमप्रकाश, प्रदीप, रामगोपाल, अशोक, मटेलु, सुर्यनाराण, आदि सैकड़ो के तादात में ग्रामीण उपस्तिथ रहे।

सांसद रवि किशन को दिखी गंदगी, तो शूटिंग छोड़ खुद ही करने लगे सफाई

परिसर में गंदगी देख वह नाराज हो गए, उसके बाद उन्होंने खुद सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया

अवध नगरी जिला संवाददाता गोरखपुर/ फिल्म अभिनेता व सदर सांसद रवि किशन शुक्ल एक शूटिंग के लिए गोरखपुर स्थित विंध्य वासिनी पार्क पहुंचे, इस दौरान परिसर में जगह-जगह गंदगी देखकर वह बिफर पड़े, शूटिंग छोड़कर रवि किशन खुद ही कचरा उठाने लगे, उन्होंने लोगों से परिसर को स्वच्छ रखने के लिए अपील की।

सफाई करने के बाद सदर सांसद ने इस मुद्दे पर विंध्य वासिनी पार्क के प्रबंधक से भी बात की, उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक बनने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने को कहा, बता दे कि रवि किशन शुक्ल उत्तर प्रदेश के गोरखपुर सदर लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।

पवन कुमार गंगवार प्राधिकरण के नये सचिव

वरिष्ठ पी.सी.एस. अधिकारी श्री पवन कुमार गंगवार द्वारा लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव पद का कार्यभार ग्रहण किया गया। श्री पवन कुमार गंगवार वर्ष 1999 बैच के अधिकारी हैं। इससे पूर्व श्री गंगवार लखनऊ में अपर जिलाधिकारी, रजिस्ट्रार-उ.प्र. प्राविधिक विश्वविद्यालय, मुख्य विकास अधिकारी-मथुरा, विशेष सचिव-चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास के पदों पर भी पदस्थ रहे हैं।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर किसानों ने किया धरना प्रदर्शन

रुद्र प्रताप सिंह मलिहाबाद लखनऊ ग्राम पंचायत जिन्दौर मजरा गदियन खेड़ा से जर्जर पड़ी सड़को को पुनः निर्माण की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (आरा) जिला महासचिव लखनऊ तेज प्रताप रावत अध्यक्षता में किसानों के साथ धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें सैकड़ों किसान यूनियन कार्यकर्ता मौजूद रहे जिसमे 400 मीटर लम्बी सड़क काफी समय से खराब है शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदार अनदेखी कर रहे हैं इसके लिए किसानों को गांव से बाहर जाने के लिए लोगों को लम्बा चक्कर लगाना पड़ रहा है बीते वर्ष दिनांक 4-11-2019 को उपजिलाधिकारी मलिहाबाद और कार्यालय पर धरना के उपरांत उप जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के लोक निर्माण विभाग में एक पत्र के माध्यम से जिसके पत्रक संख्या 4634/14एम जी/019 के जवाब में पत्र उपजिलाधिकारी मलिहाबाद को भेजा जिसमें अवगत कराया गया था कि मुख्य अभियंता(मु-1) के अनुमोदन उपरांत विभाग पुनः निर्माण करा देना यह आश्वासन उपजिलाधिकारी मलिहाबाद को भेजा था जो कार्य अब तक विभाग ने नहीं किया यह कि अधिशासी अभियंता खंड 1 ने में जर्जर रोड मधवापुर से सहिमाबाद पुलिया तक नहर गहटौली माइनर पर स्थित है अब तक सुध नहीं की गई तहसील दिवस में जवाब भेजा गया कि निर्माण करा दिया जाएगा जिसका निर्माण तत्काल कराया जाए या वह दोनों सड़को का निर्माण ना किए जाने पर भारतीय किसान यूनियन आरा द्वारा धरना दिया जाएगा भारतीय किसान यूनियन आरा महोदय जी उपरोक्त बिंदुओं को अपने संज्ञान में लेकर दिनांक 15 2020 को आपके द्वारा निर्माण की प्रगति लिखित पत्र द्वारा 2ः00 बजे तक पंचायत में उपस्थित होकर यदि नहीं अवगत कराया गया तो यूनियन के पदाधिकारी व सदस्यों द्वारा हरदोई लखनऊ राजमार्ग का चक्का जाम किया जाएगा धरना प्रदर्शन के दौरान यदि कोई आप्रिय घटना घटित होती है तो इसकी समस्त जिम्मेदारी स्थानीय शासन प्रशासन की होगी लोक निर्माण विभाग जेआईटी जैसवाल मौके पर पहुंचे और लोगों को भरोसा दिलाया कि यह जानकारी उच्चाधिकारियों को इसके विषय में अवगत करा कर इसका निस्तारण जल्द से जल्द किया जाएगा।

भाजपा के किसान जागरूकता अभियान को व्यापक जनसमर्थन

अकबरपुर इटौरा जालौन। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा मंडल में चलाए जा रहे किसान जागरूकता अभियान व स्वच्छता मिशन को गांव-गांव व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है ।इस मौके पर बन्देलखण्ड कानपुर के क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा नवाब सिंह जादौन इटौरा मण्डल पहुँचे और कार्यकर्ताओं व किसानों से मुलाकात की। श्री जादौन ने केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में लाए गए कृषि बिल के विरुद्ध विरोधी दलों द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार को रोकने एवं किसानों में कृषि बिल की सच्चाई तथा उससे होने वाले लाभ की जानकारी देने के लिए भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव घूमकर किसानों से संपर्क एवं नुक्कड़ सभा करके विरोधी दलों के भ्रामक प्रचार की पोल खोल रहे हैं , इसी क्रम में प्रत्येक गांव के धार्मिक स्थलों मंदिरों पर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम भी संचालित कर स्वयं सेवा करते हुए लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा कर रहे हैं। इस बिल में प्रकाश डालते हुए श्री जादौन ने कहा कि किसानों को अनेक बंधनों से मुक्ति दिलाने कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए लाया गया विधेयक किसान हित में है। अब किसान बेहतर दाम के साथ अपनी फसल को बेच पाएंगे। जब तक देश में कांग्रेस की सरकार थी तब-तब किसानों को उनके हाल पर छोड़ रखा था। किसान या तो मौसम पर निर्भर रहे या उद्यमियों, साहूकारों के चंगुल में फंसे रहे। किसानों को बुनियादी सुविधायें उपलब्ध करवाने, फसलों की उचित कीमत दिलवाने की कोई व्यावहारिक नीति तक नही बनाई गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कारण ही खेती घाटे का सौदा बन गया। अब जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है, जो अन्नादाता किसानों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। किसानों की आर्थिक उन्नाति एवं जीवनस्तर में सुधार लाने के लिए नये कृषि नीति लाया गया तो कांग्रेसियों को पीड़ा होने लगी। कांग्रेस नहीं चाहती कि देश के किसान खुशहाल बने, उनकी आर्थिक उन्नाति हो। प्रेम ने कहा कि बिल पास होने से बिचालियें खत्म होंगे, एमएसपी व मंडी के साथ-साथ किसानों को अपनी फसल बेचने के लिये अन्य विकल्प चुनने की छूट होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य, एमएसपी, जारी रहेगें और मंडिया खत्म नहीं होगी। कृषि क्षेत्र की दुर्दशा के लिए पांच दशक तक जिम्मेदार कांग्रेस को तो विरोध का नैतिक हक भी नहीं है। बिल को लाने के लिए किसानों ने मोदी सरकार को साधुवाद दिया। इटौरा भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में आज ग्राम अकबरपुर व इटौरा गुरु में जनसंपर्क व नुक्कड सभा कर स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें ग्रामीणों द्वारा इस कार्यक्रम को समर्थन कर सहयोग किया गया । इस कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा विनोद पुरवार, सुधाकर चतुर्वेदी, विपिन तोमर, पीयूष मिश्रा, वरिष्ठ किसान नेता शालू पाण्डेय, शिवम तोमर, योगी प्रजापति, सकील खां, चंचल सिंह ,कृष्ण सुहावन सिंह पतराही, सहदेव सिंह मानपुरा, मनीष कुशवाहा, विश्वेंद्र सिंह आदि दर्जनों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा किया।

कैसे रुक पाएंगे बाल तस्करी और बाल विवाह

नेशनल चाइल्ड लाइन-1098 द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, बाल अपराध के मामलों में कोरोना लॉकडाउन के दौरान भारी वृद्धि दर्ज की गई है। नेशनल चाइल्ड लाइन 1098 द्वारा लॉकडाउन के दौरान आंकड़े प्रदान किए गए हैं जो बाल तस्करी की एक अलग तस्वीर पेश करता है। देखे तो लॉकडाउन के दौरान, बाल तस्करी और बाल विवाह जैसी प्रवृत्ति बढ़ रही है। मार्च 2020 से अगस्त 2020 के दौरान, चाइल्डलाइन ने 1.92 लाख मामलों में जमीनी हेरफेर किया, जबकि इसी अवधि में 2019 में यह संख्या 1.70 लाख थी। मार्च 2020 से अगस्त 2020 तक संकट कॉल की संख्या 27 लाख थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 36 लाख थी। निश्चित रूप से, परिस्थितियों के अनुसार इसे कम होना चाहिए था। अप्रैल से अगस्त 2020 के बीच 10000 बाल विवाह के मामले सामने आए हैं। कई अलग-अलग कारण हैं जो बाल तस्करी को जन्म देते हैं, प्राथमिक कारण गरीबी, कमजोर कानून प्रवर्तन और अच्छी गुणवत्ता वाली सार्वजनिक शिक्षा की कमी है। बच्चों का लाभ उठाने वाले तस्कर भारत के किसी अन्य क्षेत्र से हो सकते हैं, या बच्चे को व्यक्तिगत रूप से भी जान सकते हैं। बाल तस्करी लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में सबसे अधिक बार होती है। बाल तस्करी विकासशील देशों में भी सबसे अधिक प्रचलित है, हालांकि यह विकसित और औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में भी होता है। भारत में वेश्यावृत्ति के लिए एक नाबालिग (16 साल से कम) की तस्करी को 7 साल की कैद से लेकर उम्रकैद तक की सजा और जुर्माना है। जबकि एक नाबालिग लड़की (18 वर्ष से कम) या किसी विदेशी लड़की (21 वर्ष से कम) को यौन शोषण के लिए उकसाना, 10 साल तक की कैद और दंड के साथ दंडनीय है हालांकि राज्य सरकारों द्वारा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग पुलिस भी स्थापित की गई है, लेकिन उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में मानव तस्करी बढ़ रही है। तालाबंदी में बाल तस्करी और बढ़ते बाल श्रम के कारणों में स्कूलों के बंद होने के कारण, तटीय क्षेत्रों के कुछ बच्चे मत्स्य उद्योग में शामिल हो गए। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई की और इसे बंद कर दिया। प्रशासनिक मशीनरी का ध्यान कोरोना से बचने के लिए था, इसलिए आपराधिक तत्वों को बाल अपराध करने का अवसर मिला। कुल मामलों में से, बाल विवाह, यौन अपराध, भावनात्मक अपराध और साइबर अपराध से संबंधित 32700 मामले सामने आये हैं। जिनमें 10000 मामले केवल बाल विवाह के थे। तालाबंदी के दौरान भी कई उद्योग संचालित हो रहे थे। इन उद्योगों में बाल श्रम गतिविधियों को देखा गया है। लव सोनिया (मृणाल ठाकुर) की दर्दनाक यात्रा बच्चों की अवैध बाजारीकरण का पर्दाफाश है , जो उत्तर भारत में एक गरीब किसान परिवार की एक मासूम किशोरी लड़की है। परिवार के कर्जों से दबे पिता और एक दुष्ट स्थानीय भूमि बैरन, सोनिया को मुंबई में अपनी प्यारी बहन प्रीति (रिया सिसोदिया) की तलाश करते हुए सेक्स के काम में बरगलाया जाता है। जमीनी स्तर पर बर्बरता और शोषण के महीनों के बाद, उसके ओझल दलाल, फैजल (मनोज वाजपेयी), सोनिया को एक मालवाहक कंटेनर में पैक करके दुनिया भर में हांगकांग और लॉस एंजिल्स में सेवा ग्राहकों के लिए भेज दिया गया। लेकिन हॉलीवुड के उच्च-रोलर्स के लिए एक सेक्स पार्टी के दौरान, वह अंततः तस्करी-विरोधी दान से समर्थन के साथ मुक्त जीवन को तोड़ने और अपने जीवन को वापस जब्त करने का मौका देती है। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध व्यापार के अधिक मामले सामने आए हैं। तस्करी वह जगह है जहाँ बच्चों और युवाओं को बरगलाया जाता है, मजबूर किया जाता है या उनके घरों को छोड़ने के लिए राजी किया जाता है और उन्हें स्थानांतरित या परिवहन किया जाता है और फिर उनका शोषण किया जाता है, उन्हें काम करने या बेचने के लिए मजबूर किया जाता है। बच्चों का शोषण किया जाता है, यौन शोषण, धोखाधड़ी की जाती है। श्रम, वित्तीय बाधाओं की खोज ने इन बच्चों को मानव तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील बना दिया। बच्चों के लिए किए गए उपायों के बाद भी यह बहुत दयनीय स्थिति है। हमारे देश में बच्चों के कल्याण के लिए कानूनी उपाय एवं संवैधानिक प्रावधान किये गए हैं जैसे- अनुच्छेद 21 (ए)रू - 6-14 आयु वर्ग की अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान,अनुच्छेद 24 चौदह वर्ष की आयु तक खतरनाक कार्य में बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाता है जबकि अनुच्छेद 39 (ई) - राज्य को यह सुनिश्चित करने को कहता है कि निविदा आयु के बच्चों का दुरुपयोग न हो. अनुच्छेद 45 में बचपन की देखभाल के लिए राज्य का कर्तव्य एवं अनुच्छेद 51 कहता है कि माता-पिता का ये मौलिक कर्तव्य है कि वे अपने बच्चे को 6 वर्ष 14 आयु वर्ग के लिए शिक्षा प्राप्त करने के लिए सुनिश्चित करें.

2013 में आई बच्चों के लिए राष्ट्रीय नीति 18 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक व्यक्ति के रूप में एक बच्चे को परिभाषित करती है यह जीवन, अस्तित्व, विकास (मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, सांस्कृतिक, संज्ञानात्मक), शिक्षा, स्वास्थ्य और भागीदारी के अधिकार की रक्षा और हिंसा और शोषण के खिलाफ है। हमें यहाँ देश भर में महिला और बाल विकास मंत्रालय बच्चों के कल्याण के लिए योजनाओं का अवलोकन करता है इस मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बाल हेल्पलाइन 1098 की स्थापना की गई राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल अधिकार अधिनियम 2005 के संरक्षण में एक वैधानिक निकाय है इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बाल अधिकार सुरक्षित और संरक्षित हैं और उनकी नीतियां बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के साथ संरेखित हैं हमारे देश में उत्तरजीविता, स्वास्थ्य, पोषण,शिक्षा और विकास, सुरक्षा उपायों के बाद भी, यह अभिशाप क्यों मौजूद है? सरकार द्वारा बाल अपराध, मानव तस्करी को रोकने के लिए कई प्रयास किए गए हैं लेकिन कई कारण हैं जो अपर्याप्त हो रहे हैं। जैसे कि बच्चे हमारी वोट बैंक राजनीतिक भागीदारी के लक्ष्य नहीं है। इसलिए, सरकार में बच्चों की न्यूज फ्रंट पेज नहीं है। महिला और बाल विकास मंत्रालय समेकित तरीके से महिलाओं और बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है। लोकप्रिय सरकार जनता के वोट पर निर्भर है। कभी-कभी बाल अपराध को रोकने के लिए राजनीतिक महत्वाकांक्षा की कमी होती है। बाल अपराध के अलावा, बाल विवाह जैसे अन्य अपराधों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा की कमी से बचाया जाता है। बाल विवाह, देवदासी जैसे अपराध धार्मिक परंपरा द्वारा संरक्षित हैं, यह समाज को स्थिर कर रहा है बच्चे उनके खिलाफ अपराध का विरोध करने में सक्षम नहीं हैं। कई बार बाल अपराध बच्चों के रिश्तेदारों द्वारा किया जाता है, जिनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बच्चे भावनात्मक रूप से मजबूत नहीं होते हैं। बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए उनकी रक्षा करने की जिम्मेदारी सरकार और समाज दोनों की है। इस स्थिति में, दोनों को अपनी भूमिका बेहतर ढंग से निभानी होगी और बच्चों के वर्तमान और भविष्य की रक्षा करनी होगी। लॉकडाउन ने वित्तीय संकट और गरीबी को जन्म दिया है, इसलिए यह परिवारों को हताशा में डाल रहा है और उन्हें अपने बच्चों को तस्करी के लिए धकेलने के लिए अतिसंवेदनशील बना रहा है।

सम्पादकीय

दशकों पीछे ले जाने वाला साल

1990 के दशक के बाद अब तक दो-तिहाई निर्धन आबादी को गरीबी से बाहर निकाला गया। अफसोस कि अब यह चक्र पलट रहा है। भले ही हम सोचते हैं कि कोविड-19 मुख्य रूप से दुनिया में बुजुर्गों को ही निशाना बना रहा है, परंतु गरीब देशों में इसका असर उससे भी अधिक प्रलयंकारी है। इसके कारण बच्चे कुपोषण से मर रहे हैं। बच्चों खासतौर से बालिकाओं की पढ़ाई छूट रही है और वे बाल विवाह का दंश झेलने को मजबूर हैं। यह मातृ मृत्यु दर बढ़ने की वजह बन रहा है। इसने पोलियो और मलेरिया जैसी बीमारियों के खिलाफमुहिम को कमजोर कर दिया है। इससे विटामिन ए वितरण की राह में भी अवरोध पैदा हो गए हैं, जिसके कारण और ज्यादा बच्चे दृष्टिबाधा का शिकार होंगे और मौत के आगोश में चले जाएंगे। यूएन पॉपुलेशन फंड की चेतावनी है कि कोविड-19 के कारण दुनिया भर में 1.3 करोड़ और अधिक बाल विवाह होंगे, जबकि लगभग 4.7 करोड़ महिलाओं को गर्भनिरोध के आधुनिक साधन नहीं मिल पाएंगे। कुल मिलाकर कोरोना महामारी के बाद बीमारियों, निरक्षरता और भयावह गरीबी की आपदा दस्तक देने वाली है और बच्चे इसके सबसे बड़े शिकार होंगे। कोविड-19 का दुष्प्रभाव केवल उन पर ही नहीं होगा जो इसके संक्रमण की चपेट में आए, बल्कि उन विकासशील देशों के लोगों पर भी होगा, जिनकी अर्थव्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा इस आपदा ने हिलाकर रख दिया है। यह इससे देखा जा सकता है कि तमाम क्लिनिक बंद हैं। एड्स सहित तमाम बीमारियों में काम आने वाली दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। मलेरिया और जननांगों को विकृत करने के खिलाफचलाई जाने वाली मुहिम थम गई है। बांग्लादेशी एनजीओ बीआरएसी के कार्यकारी निदेशक डॉ. मुहम्मद मूसा ने मुझे बताया कि कोविड-19 का प्रत्यक्ष प्रभाव तो संक्रमितों और उनके परिवारों पर ही असर दिखाएगा, लेकिन परोक्ष प्रभाव के चलते नौकरियां जाएंगी, भुखमरी और घरेलू हिंसा बढ़ेगी और तमाम बच्चों की पढ़ाई छूट जाएगी। आशंका है कि कोरोना से उत्पन्न् गतिरोध के कारण करीब आठ करोड़ बच्चे खसरा रोधी वैक्सीन से वंचित रह जाएंगे। यदि वे खसरा से बच भी गए तो कुपोषण से उनकी जान पर आफत आ जाएगी। सबसे अधिक तपिश लड़कियों को झेलनी पड़ेगी। उनमें से तमाम का बाल विवाह करा दिया जाएगा, ताकि नए घर में उनके खान-पान और रहन-सहन की व्यवस्था हो सके या फिर वे मामूली सी तनख्वाह और महज खाने-पीने के एवज में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने के लिए शहरों का रुख करेंगी। इससे न केवल उनकी पढ़ाई-लिखाई थम जाएगी, बल्कि उनके शोषण की आशंका भी बढ़ेगी। विकासशील देशों में बालिका शिक्षा को समर्थन देने की दिशा में लगी संस्था कैमफेड इंटरनेशनल की कार्यकारी निदेशक एंजेलिना मुरिमीरवा का कहना है, विद्यार्थियों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या भुखमरी की है। मलावी में कैमफेड के 60 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों ने भोजन की कमी की बात कही है। कोरोना संकट से पहले ही जिंबाब्वे में चार प्रतिशत लड़कियों की शादी 14 साल से पहले हो रही थी। आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और बढ़कर बदतर तस्वीर पेश कर सकता है। कुछ साल पहले मैंने एक प्रतिभाशाली केन्याई लड़की की दर्दनाक दास्तान सुनी थी। उसका सवाल था कि क्या आर्थिक तंगी के अभाव में उसे अपने सपनों को ताक पर रखकर पढ़ाई छोड़ देनी चाहिए या उस व्यक्ति से यौन संबंधों का प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए, जो उसकी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए तैयार है? उसे डर था कि वह व्यक्ति एचआइवी से ग्रस्त हो सकता है। अब तमाम लड़कियों को ऐसी अनहोनी वाले विकल्पों से जूझना होगा। लॉकडाउन और आर्थिक गिरावट से जुड़ी इस आपदा ने विदेशों से आने वाले धन यानी रेमिटेंस को भी प्रभावित किया है। बीएआरसी के अनुसार लाइबेरिया, नेपाल, फिलीपींस और सिएरा लियोन में काम करने वाले उसके दो तिहाई लोगों का कहना है कि आमदनी में भारी कमी आई है या वह बिल्कुल ही खत्म हो गई है। बिल गेट्स और तमाम अन्य हस्तियां अमेरिकी कांग्रेस से अपील कर रही हैं कि वह अगले प्रोत्साहन पैकेज में चार अरब डॉलर की राशि इसी मद में जोड़ें, ताकि दुनिया भर में सभी तक कोरोना वायरस की वैक्सीन पहुंचाने में मदद मिल सके। उनके अनुसार, इसे चैरिटी न समझा जाए क्योंकि यह वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक निवेश ही होगा। साथ ही हमें शिक्षा, पोलियो और पोषण जैसी मुहिम के लिए भी आकस्मिक निवेश की दरकार होगी। हालांकि अभी तक अमीर देश अपने तक ही उलझे रहे हैं। उन्होंने संकीर्ण सोच ही दर्शाई है। वे इस पर विचार ही नहीं कर रहे हैं कि दूर-दराज में फैला संक्रमण एक बार फिर उनकी देहरी पर दस्तक दे सकता है। कोविड-19 से लड़ने में 10 अरब डॉलर जुटाने की संयुक्त राष्ट्र की अपील पर केवल एक चौथाई राशि ही इकट्ठा हो पाई है। आधुनिक दौर में मानवता की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि 1990 के दशक के बाद से भयावह गरीबी के दुष्चक्र को तोड़कर दो-तिहाई निर्धन आबादी को निर्धनता की जद से बाहर निकाला गया। अफसोस की बात है कि अब यह चक्र पलट रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैलुएशन के आकलन के अनुसार कोविड-19 आपदा की दस्तक के साथ ही दुनिया भर में अत्यधिक गरीबों की तादाद में 3.7 करोड़ लोगों की बढ़ोतरी हुई है।

गंगा से गायब होतीं देसी मछलियां

भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की पांचवीं सबसे लंबी नदी गंगा भारत के अस्तित्व, आस्था और जैव-विविधता की पहचान है. नदी केवल जलधारा नहीं होती, उसका अपना तंत्र होता है, जिसमें उसके जलचर सर्वाधिक महत्वपूर्ण होते हैं. गंगाजल की पवित्रता बनाये रखने में उसमें लाखों वर्षों से पायी जानेवाली मछलियों-कछुओं की अहम भूमिका है. जहां सरकार इसे स्वच्छ करने के लिए हजारों करोड़ की परियोजना चला रही है, वहीं गंगा की मछलियों की विविधता को खतरा पैदा हो रहा है. इस नदी की 143 किस्म की मछलियों में से 29 से अधिक प्रजातियों को खतरे की श्रेणी में रखा गया है. अंधाधुंध और अवैध शिकार, प्रदूषण, जल अमूर्तता, गाद और विदेशी प्रजातियों के चलते मछलियों की पारंपरिक प्रजातियों के लिए खतरा पैदा हो गया है. अप्रैल 2007 से मार्च 2009 तक गंगा नदी में विदेशी मछलियां की 10 प्रजातियां मिली थीं. बीते दिनों वाराणसी में रामनगर के रमना से होकर गुजरती गंगा में डॉल्फिन के संरक्षण के लिए काम कर रहे समूह को एक ऐसी विचित्र मछली मिली, जिसका मूल निवास हजारों किलोमीटर दूर दक्षिणी अमेरिका की अमेजन नदी है. गंगा का जल तंत्र अमेजन से किसी तरह संबद्ध नहीं है. ऐसे में इस मछली के मिलने पर आश्चर्य से ज्यादा चिंता हुई. दो साल पहले भी इस इलाके में ऐसी ही एक सुनहरी मछली मिली थी. सकर माउथ कैटफिश नामक यह मछली पूरी तरह मांसाहारी है और इस क्षेत्र के नैसर्गिक जीव-जंतुओं का भक्षण करती है. यह नदी के पूरे पर्यावरणीय तंत्र के लिए हानिकारक है. गंगा जल की मछलियों की कई प्रजातियों पर विलुप्ति का खतरा वर्षों से मंडरा रहा है और यह उद्गम स्थल से ही शुरू हो जाता है. पर्वतीय क्षेत्रों से मैदानी इलाकों में पानी के साथ आनेवाली मछलियों की कई प्रजातियां ढूंढे नहीं मिल रही हैं. गंगा की अविरल धारा में बने बांध मछलियों के सबसे बड़े दुश्मन हैं. गंगा को उत्तरांचल में कई जगह बांधा गया है. सीमेंट की दीवारों पर काई जम जाने से मीथेन गैस का उत्सर्जन होता है, जो मछलियों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है. बांध के कारण नदी का बहाव अवरुद्ध होता है व पानी ताजा नहीं रहता. कीटनाशकों के नदी में घुलने से रीठा, बागड़, हील समेत छोटी मछलियों की 50 प्रजातियां गायब हो गयी हैं. मछलियों के सुरक्षित प्रजनन के लिए नैसर्गिक पर्यावास विकसित किया जाना जरूरी है. नदियों पर बंधे बांध के अलावा मैदानी इलाकों में तेजी से घुसपैठ कर रही विदेशी मछलियां भी इनकी वृद्धि पर विराम लगा रही हैं. खतरा बन रही विदेशी मछलियों की आवक का बड़ा जरिया आस्था भी है. हरिद्वार में नदी में मछलियों को छोड़ना पुण्य कमाने का जरिया माना जाता है. यहां कई लोग कम दाम व सुंदर दिखने के कारण विदेशी मछलियों को बेचते हैं. ये मछलियां स्थानीय मछलियों और गंगा के लिए खतरा बन चुकी हैं. गंगा में देसी मछलियों की संख्या करीब 20 से 25 प्रतिशत तक हो गयी है, जिसकी वजह विदेशी मछलियां हैं. गंगा और इसकी सहायक नदियों में पिछले कई वर्षों के दौरान थाईलैंड, चीन व म्यांमार से लाये बीजों से मछली की पैदावार बढ़ायी जा रही है. ये मछलियां कम समय में बड़ी हो जाती हैं, इसलिए अधिक मुनाफे के लिए इनका पालन होता है. ये मछलियां स्थानीय मछलियों का चारा हड़पने के साथ ही छोटी मछलियों को भी अपना शिकार बना लेती हैं. विदेशी प्रजातियों, खासकर तिलैपिया और थाई मांगुर, ने गंगा की प्रमुख देसी मछलियों की प्रजातियों- कतला, रोहू और नैन के साथ पड़लिन, टेंगरा, सिंघी और मांगुर आदि- का अस्तित्व खतरे में डाल दिया है. किसी भी नदी से उसके मूल निवासी जलचरों के समाप्त होने का असर उसके समूचे पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत भयावह होता है. इससे जल की गुणवत्ता, प्रवाह आदि नष्ट हो सकते हैं. थाई मांगुर और तिलैपिया प्रजाति की मछलियां साल में कई बार प्रजनन करती हैं, इसलिए इनकी संख्या नियंत्रित करना बहुत बड़ी चुनौती बन गयी है. विदेशी मछलियों में चायनीज कार्प की कुछ प्रजातियों, जैसे- कामन कार्प और शार्प टूथ, अफ्रीकन कैट फिश और अफ्रीकी मूल की तिलैपिया, की संख्या बहुत तेजी से बढ़ती है. गंगा में सकर माउथ कैट फिश जैसी मछलियों के मिलने का मूल कारण घरों में सजावट के लिए पाली गयी मछलियां हैं. दिखने में सुंदर होने के कारण सजावटी मछली के व्यापारी इन्हें अवैध रूप से पालते हैं. तालाबों, खुली छोड़ दी गयीं खदानों व जोहड़ों में इन मछलियों के दाने विकसित किये जाते हैं, जहां से वे घरेलू एक्वैरियम टैंक तक आते हैं. बाढ़ व तेज बरसात की स्थिति में ये मछलियां अपने दायरों से कूद कर नदी की धारा में मिल जाती हैं. इनके तेजी से बढ़ने के कारण घरेलू एक्वैरियम टैंक से भी इन्हें नदी-तालाब में छोड़ दिया जाता है. थोड़े दिनों में ये नदी के पारिस्थितिक तंत्र में घुसपैठ कर स्थानीय जैव-विविधता और अर्थव्यवस्था को खत्म करना शुरू कर देती हैं. चिंता की बात यह है कि अभी तक किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में इन मछलियों की प्रजातियों के अवैध पालन, प्रजनन और व्यापार को लेकर कोई मजबूत नीति या कानून नहीं बनाया गया है. जाहिर है, देशज मत्स्य संपदा घोर संकट की ओर बढ़ रही है.

बैंकों को बोझ नहीं, सहयोग की जरूरत

लोग कर्ज क्यों चुकाते हैं? पहला, क्योंकि वे ऋण लौटाने की बाध्यता के लिए अनुबंधित हैं. अगर वे इस अनुबंध को तोड़ते हैं, तो उन पर दंड या जुर्माना लगाया जा सकता है. दूसरा, अगर कर्ज अदायगी के एवज में कुछ गिरवी रखा गया है, तो ऋण वापसी नहीं करने पर इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है. अमूमन, इस गारंटी का मूल्य ऋण के मूल्य से अधिक होता है. अतः उसे चुकाना बड़ा नुकसान उठाने से बेहतर है. तीसरा, पुनर्भुगतान अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री तैयार करता है, जो भविष्य में ऋण लेने में मददगार होती है.

वास्तव में, माइक्रो फाइनेंस लोन के मामले में, जहां शून्य गारंटी होती है, वहां पुनर्भुगतान से कर्जदारों की स्थिति कर्जदाताओं की नजर में अच्छी बनी रहती है. अनौपचारिक बाजार, जैसे सब्जी की दुकान के लिए ऋण रोजाना के आधार पर लिया जा सकता है. इसका इस्तेमाल थोक बाजार से उत्पादों को खरीदने में होता है और खुदरा बिक्री करके दिन के अंत में इसका ब्याज के साथ भुगतान कर दिया जाता है. कर्ज के भुगतान में नैतिक मूल्य भी छिपे होते हैं, यानी कर्ज भुगतान न करना एक पाप है. कुल मिला कर इसे ही ऋण अनुशासन यानी क्रेडिट डिसिप्लीन कहते हैं. अगर ऋण अनुशासन बेहतर है, तो अर्थव्यवस्था अच्छा काम करती है. यह कर्जदार तथा कर्जदाता दोनों पर निर्भर है. इसे ही बेहतर व व्यापक बनाने की जरूरत है, ताकि जरूरतमंदों को आसानी से ऋण मिल सके. क्रेडिट निर्माण से ही आर्थिक गतिविधियों में विस्तार और वृद्धि होती है. कोई व्यक्ति शिक्षा या मकान खरीदने के लिए कर्ज ले सकता है. इसका मतलब वर्तमान में संपत्ति (शैक्षणिक डिग्री या घर) बनाने के लिए वे अपनी भविष्य की कमाई से कर्ज ले रहे हैं. इसी तरह कंपनी कार्यशील पूंजी की जरूरत या क्षमता बढ़ोतरी के लिए कर्ज ले सकती है और वह कर्ज अदायगी अपनी भविष्य की कमाई से करेगी. बैंकिंग प्रणाली क्रेडिट संस्कृति पर निर्भर है, ताकि ऋणों पर (व्यापार में गिरावट के कारण) चूक के बावजूद यह बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा कर सके. अतरू जब आधिकारिक मंजूरी से पुनर्भुगतान को रोका जाता है, तो यह दीर्घकालिक और गंभीर परिणाम के साथ बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय होता है. अतरू जब राजनीतिक फैसले के तहत किसानों को कर्जमाफी दी जाती है, तो इसका असर क्रेडिट कल्चर पर पड़ता है. पहला, यह उन किसानों के साथ गलत है, जो डिफॉल्ट से बचने और कर्ज अदा करने के लिए बहुत परिश्रम करते हैं. दूसरा, बार-बार माफी से ऋण अदा नहीं करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है. तीसरा, यह बैंकरों और उधारदाताओं को सोचने पर विवश करता है और वे उधार देने से बचने लगते हैं. इससे ऋण विस्तार के बजाय ऋण संकुचन की स्थिति बन जाती है. लेकिन, वास्तव में गंभीर संकट में कर्ज माफी करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है. ऐसे हालात में पूरी तरह माफ कर देने की बजाय ऋण स्थगन या कर्ज पुनर्संरचना बेहतर विकल्प है. इससे समय सारिणी में समायोजन के माध्यम से पुनर्भुगतान की संभावना खुली रहती है. अगर माफी, जोकि कम अधिमान्य है, या ऋण स्थगन, जो क्रेडिट कल्चर के लिए अपेक्षाकृतबेहतर है, इसका सरकार द्वारा निर्णय किया जाता है. ऐसे में उधारदाता को वित्तीय संसाधनों, जैसे कि करदाताओं से क्षतिपूर्ति करना पड़ता है. क्या करदाता इस बात से सहमत होंगे कि यह सभी के हित में है? क्या होगा अगर कर्जदाता को डिफाल्टर्स द्वारा जानबूझकर कष्ट पहुंचाया गया है? अगर मिलीभगत और भ्रष्टाचार के आधार पर फर्जी ऋण दिया गया हो, तो क्या होगा? क्या फंसे ऋणों का बोझ करदाताओं पर डालना उचित है? क्या सार्वजनिक क्षेत्र और कोऑपरेटिव बैंकों को डिफॉल्ट और धोखाधड़ी वाले ऋणों से अधिक खतरा है? सार्वजनिक क्षेत्र तथा कोऑपरेटिव बैंकों के नियमन और ऋण प्रबंधन को हम कैसे बेहतर बना सकते हैं? कुछ ऐसे गंभीर प्रश्न हैं. क्रेडिट कल्चर को संरक्षण और बढ़ावा देने से जुड़ा प्रश्न सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका की वजह से अधिक प्रासंगिक है. सभी बैंकों के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी प्रकार के ऋण, जिसमें होमलोन, क्रेडिट कार्ड बकाया और अन्य खुदरा कर्ज शामिल हैं, उसके भुगतान के लिए छह महीने की मोराटोरियम दी है. लॉकडाउन से ठप हुई आर्थिक गतिविधियों के कारण नकदी प्रवाह बाधित हुआ, इस संकट से उबरने के लिए कर्जदारों की मदद के लिए यह अस्थायी उपाय किया गया. हालांकि, अधिस्थगन के दौरान ब्याज और चुकौती बकाया जमा हो रहे थे. कुल 38 लाख करोड़ से अधिक का ऋण प्रभावित हुआ है. इस प्रकार इन छह महीनों में अर्जित ब्याज लगभग दो लाख करोड़ रुपये है. यह उपार्जित ब्याज, जिसका भुगतान स्थगित कर दिया गया है, वह एक ताजा ऋण की तरह है, जिसका बोझ लगभग 5000 करोड़ है. सुप्रीम

कोर्ट में याचिकाकर्ता ब्याज पर छूट की मांग कर रहे हैं. इससे क्रेडिट कल्चर का प्रभावित होना लाजिमी है. ब्याज अदायगी, धन के सामयिक मूल्य के भुगतान के बराबर है. यह बैंकों की ब्याज कमाई है, जिससे वे जमाकर्ताओं की बचत और सावधि जमा पर पुनर्भुगतान करते हैं. अगर उस ब्याज कमाई से बैंक वंचित रह जाते हैं, तो बैंक मुश्किल में होंगे और उन्हें मालिकों और शेयरधारकों से नयी इक्विटी के लिए कहना होगा. चूंकि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भारत सरकार मुख्य शेयरधारक है, ऐसे में वह मदद के लिए करदाताओं को कहेगी. बैंकों पर अनुचित बोझ डालने के बजाय यह बेहतर है कि सरकार इसे अपने स्तर पर सुलझाये और सीधे सरकारी खजाने से करदाताओं को राहत दे. अन्यथा ब्याज माफी से क्रेडिट अनुशासन को नुकसान होगा. मंदी के समय में जब बैंकिंग प्रणाली पर अगले मार्च तक चार लाख करोड़ रुपये का फंसा ऋण हो सकता है, ऐसे में बैंकों को माफी और स्थगन बढ़ाने से होनेवाले प्रभावों से बचाना होगा. जैसाकि आरबीआइ ने अपने हलफनामे में खुद ही अदालत में कहा है कि कर्ज माफी या क्रेडिट कल्चर को बिगाड़ने के बजाय समस्या के मद्देनजर वित्तीय संसाधनों से व्यापक ऋण पुनर्संरचना पैकेज की आवश्यकता है. यह जरूरी है कि अदालत इस बड़े खतरे को पहचान ले.

सार समाचार ....

कोरोना पॉजिटिव होने के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो क्वारंटाइन पूरा करने इटली लौटे

एपी,मिलान एजेंसी। पुर्तगाल में कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जाने के बाद सुपर स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इटली वापस लौट आए हैं। यूवेंटस का यह फॉरवर्ड मेडिकल विमान पर लिस्बन से बुधवार को तुरिन पहुंचा जहां वह अपना पृथकवास पूरा करेंगे। यूवेंटस ने बयान में कहा, खिलाड़ी के आग्रह पर अधिकृत स्वास्थ्य अधिकारियों की स्वीकृति लेकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो मेडिकल विमान में इटली लौट आए हैं और अपने घर में पृथकवास पूरा करेंगे।

पुर्तगाल ने एक दैनिक समाचार पत्र ने इससे पहले एक छोटे विमान की तस्वीर छापी थी और कहा था कि इसका इस्तेमाल रोनाल्डो ने किया था। सफेद, नीले और लाल रंग के इस विमान के इंजन पर एंबुलेंस लिखा था। पैंतीस साल के रोनाल्डो को सोमवार को कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जाने के बाद पुर्तगाल की बाकी टीम से अलग कर दिया गया था। कहा जा रहा है कि उनमें कोई लक्षण नजर नहीं आ रहा और उनका स्वास्थ्य अच्छा है। रोनाल्डो को लिस्बन में स्वीडन के खिलाफ टीम के नेशन्स लीग मैच से दो दिन पहले पॉजिटिव पाया गया। मंगलवार को एक और परीक्षण में उनके पॉजिटिव पाए जाने की पुष्टि होने के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। वह रविवार को फ्रांस के खिलाफ नेशन्स लीग मैच में खेले थे।

केएल राहुल ने कहा- इसके लिए टीम को दो रिव्यू मिलना चाहिए

शारजाह एजेंसी। इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वाइड बॉल और नो बॉल को रिव्यू करने का विकल्प टीम के कैप्टन के पास होना चाहिए। यह बात उन्होंने बुधवार को स्टार के कार्यक्रम पूमा इंडिया इंस्टाग्राम चैट पर पंजाब रॉयल्स के कप्तान केएल राहुल से बातचीत में कही। कोहली आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भी कप्तान हैं। उन्होंने कहा इस पर चर्चा होनी चाहिएयह महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है। विराट ने कहा मैं ये बातें बतौर कप्तान कह रहा हूं। मैं कप्तान के तौर पर चाहूंगा, कि मेरे पास यह अधिकार हो कि वाइड और नो बॉल के गलत निर्णय का रिव्यू कर सकूं। उन्होंने कहा कि हमने देखा कि आईपीएल और टी-20 जैसे टूर्नामेंट में ये चीजें कितनी बड़ी हो सकती है। कोहली ने आगे कहा ?यह फास्ट गेम है। इसमें छोटे अंतर से भी कुछ भी हो सकता है। हमने देखा है कि जब आप एक रन से हार जाते हैं और आपके पास वाइड और नो बॉल को रिव्यू का अधिकार नहीं होता है, तो ये कितना महत्वपूर्ण हो जाता है। इससे किसी के अभियान में बड़ा अंतर आ सकता है।

राहुल ने वाइड और नो बॉल को लेकर दो रिव्यू मिलना चाहिए केएल राहुल ने कोहली की बातों का समर्थन करते हुए कहा अगर ऐसा होता है, तो अच्छा होगा। टीम को दो रिव्यू मिलने चाहिए। जिसका वह इस्तेमाल कर सके। राहुल ने टूर्नामेंट में बदलाव पर कहा' मैं अपने बॉलरों से पूछूंगा कि क्या अगर कोई 100 मीटर से ज्यादा दूरी पर छक्का मारता है तो उसको ज्यादा रन मिलना चाहिए।'

हैदराबाद और चेन्नई के मैच में वाइड को लेकर उठा था विवाद

चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मंगलवार को खेले गए मुकाबले में वाइड बॉल को लेकर विवाद हो गया। चेन्नई के बॉलर शार्दूल ठाकुर की एक बॉल ऑफ स्टम्प के काफी बाहर पिच हुई। अंपायर पॉल रफेल ने इसे वाइड करार देने के लिए हाथ उठाया, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी का रिएक्शन देखकर उन्होंने तुरंत अपने हाथ वापस खींच लिए।

इस घटना पर डग आउट में बैठे हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर भी नाखुश नजर आए।

लंबे ब्रेक के बाद आईपीएल में खेलने पर राहुल बोलेराहुल ने कोरोना के कारण लंबे ब्रेक के बाद आईपीएल में खेलने पर कहा मैं टूर्नामेंट में आने से पहले नर्वस था। मैं इंजरी को लेकर डरा हुआ था। यह डर हमेशा बना रहा। राहुल ने कहा मुझे अपने आप पर तकनीक को लेकर संदेह था। क्योंकि लंबे समय से हमने नहीं खेला था। ऐसे में मैं थोड़ा नर्वस था। लेकिन मैं जानता था, कि टूर्नामेंट के शुरु होने के बाद डर खत्म हो जाएगा। और बाद में इसमें मजा आएगा।

पहली बार कप्तानी पर राहुल बोले

राहुल ने आईपीएल में पहली बार कप्तानी करने पर कहा कि वह कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से काफी कुछ सीख रहे हैं। ÷ मैं पहली बार कप्तानी कर रहा हूं। ऐसे में मैने माही भाई के साथ खेलने के दौरान जो कुछ सीखा है ,उसे ही करने की कोशिश की है। ÷ मैने जीत और हार के दौरान अपने को संतुलित रखने की कोशिश की। मैने यह भी सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया की सभी लोग खेल को इंजॉय करें। यह मेरी लिए अच्छी सीख है।

पंजाब ने पिछले मैच में इसी टीम के खिलाफ सीजन की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 31वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच शारजाह में साढ़े 7 बजे से खेला जाएगा। लगातार 5 मैच हारने के बाद पंजाब इस मैच को हर हाल में जीतना चाहेगा। सीजन में पिछली बार जब इन दोनों टीमों में भिड़ंत हुई थी, तब पंजाब ने बेंगलुरु को 97 रन से हराया था। यह इस सीजन में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछले 5 मुकाबलों की बात करें, तो 3 बार बेंगलुरु और 2 बार पंजाब ने जीत दर्ज की है।

टूर्नामेंट में सिर्फ बेंगलुरु से ही जीती है पंजाब

आईपीएल के इस सीजन में पंजाब ने अब तक कुल 7 मैच खेले हैं, जिसमें से उसने कुल 6 मैच हारे हैं और सिर्फ एक मैच बेंगलुरु के खिलाफ ही जीता है। ऐसे में पंजाब दोबारा बेंगलुरु के खिलाफ जीत दर्ज कर अपनी हार की चेन को तोड़ना चाहेगी।

क्रिस गेल सीजन का पहला मैच खेल सकते हैं

यूनिवर्स बॉस के नाम से फेमस क्रिस गेल पूरी तरह फिट हो गए हैं। पेट में इंफेक्शन की वजह से वे पिछले कुछ दिनों से हॉस्पिटल में भर्ती थे। टीम के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर शेयर वीडियो में उन्होंने कहा कि इंतजार खत्म हुआ। उन्होंने कहा कि आईपीएल में अभी टीम का सफर खत्म नहीं हुआ है। अभी लीग में 7 मुकाबले बचे हुए हैं। हम सातों मैच जीत सकते हैं।

ऑरेंज कैप की दावेदारी में राहुल-मयंक सबसे आगे

लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल (387) और मयंक अग्रवाल (337) सबसे आगे हैं। दोनों ने सीजन में एक-एक शतक भी जड़ा है। राहुल ने तो बेंगलुरु के खिलाफ की शानदार शतक जड़ा था।

बेंगलुरु में कोहली-डिविलियर्स फॉर्म में लौटे

कप्तान विराट कोहली और एबी डिविलियर्स का लय में लौटना बेंगलुरु के लिए अच्छे संकेत हैं। डिविलियर्स ने पिछले मुकाबले में कोलकाता के खिलाफ 33 बॉल पर 73 रन की पारी खेली थी। वहीं, कोहली भी सीजन में अब तक 2 फिफ्टी लगा चुके हैं।

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 13
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 9
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 4
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 149

मौसम और पिच रिपोर्ट

शारजाह में पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। शारजाह में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। यहां पिछले 13 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 69त्न रहा है।

दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर- 131

दोनों टीम के महंगे खिलाड़ी

आरसीबी में कप्तान कोहली सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 17 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में एबी डिविलियर्स का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 11 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, पंजाब में कप्तान लोकेश राहुल 11 करोड़ और ग्लेन मैक्सवेल 10.75 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं।

आईपीएल में आरसीबी का सक्सेस रेट 48.09 प्रतिशत, यह पंजाब से ज्यादा

आईपीएल में आरसीबी का सक्सेस रेट 48.09 प्रतिशत है। उसने लीग में अब तक 188 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 89 मैचों में जीत हासिल हुई और 95 में हार का सामना करना पड़ा। वहीं 4 मैच बेनतीजा रहे। दूसरी ओर पंजाब का पंजाब का सक्सेस रेट 45.08त्न है। पंजाब ने अब तक कुल 183 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 83 में जीत और 100 में हार मिली।

बेंगलुरु और पंजाब दोनों ही खिताब नहीं जीत सके

आरसीबी ने 2009 में अनिल कुंबले और 2011 में डेनियल विटोरी की कप्तानी में फाइनल खेला था। 2016 में विराट की कप्तानी में भी टीम फाइनल में पहुंची। लेकिन हर बार टीम की किस्मत खराब ही रही। वहीं पंजाब ने 2014 में फाइनल खेला था।

उसे कोलकाता के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

विश्व के नंबर एक गोल्फर डस्टिन जॉनसन को कोरोना

एपी,मिलान एजेंसी। विश्व के नंबर एक गोल्फर डस्टिन जॉनसन को कोरोना वायरस के लिए पॉजीटिव पाया गया है, जिसके कारण उन्हें शैडो क्रीक में होने वाले सीजे कप से हटना पड़ा। पेशेवर गोल्फ संघ (पीजीए) टूअर ने बयान में कहा कि जॉनसन ने अधिकारियों को बताया कि उनमें कोविड-19 के लक्षण थे, जिसके बाद उन्होंने एक अन्य परीक्षण करवाया, जो पॉजीटिव आया है। जॉनसन अभी दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी हैं। पहली बार फेडएक्स कप जीतने के बाद उन्हें पीजीए टूअर का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था।

भारतीय महिला तीरंदाजों के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करना मुश्किल चुनौती- दीपिका

नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दीपिका कुमारी का मानना है कि कोविड-19 महामारी के कारण कई प्रस्तावित टूर्नामेंटों के रद्द होने के कारण अगले साल ओलंपिक में भारतीय महिला तीरंदाजों के लिए पूर्ण कोटा हासिल करना मुश्किल चुनौती होगी। भारतीयों के पास तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लिए सिर्फ एक टूर्नामेंट बचा है और उसे दो स्थान हासिल करने हैं। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के आनलाइन चैट शो इन द स्पॉटलाइट पर दीपिका ने कहा कि देश की महिला तीरंदाजों ने कड़ी मेहनत की है और कोविड-19 लॉकडाउन से पहले उन्हें कोटा हासिल करने का भरोसा था। उन्होंने कहा, जब लॉकडाउन हुआ तो एक महीने में क्वालीफायर होने वाले थे, हमारा अभ्यास काफी अच्छा चल रहा था, लेकिन इसके बाद अचानक हमें पता ही नहीं चला कि क्या करना है। दो बार की विश्व चैंपियन तीरंदाज ने कहा, फिलहाल महिला वर्ग में हमें सिर्फ एक कोटा हासिल है और दो अन्य कोटा स्थान हासिल करने के लिए सिर्फ एक क्वालीफायर बचा है। आम तौर पर इस समय तक हम पूर्ण कोटा हासिल कर लेते थे, लेकिन इस बाद स्थिति अलग है। पिछले साल जून में विश्व चैंपियनशिप के लिए टीम कोटा हासिल करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय महिला तीरंदाजी टीम भारत को पूर्ण कोटा हासिल करने के लिए पेरिस में अंतिम मौका मिलेगा। पिछले साल बैंकॉक में एशियाई महाद्वीपीय क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर दीपिका तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला तीरंदाज हैं। उन्होंने याद किया कि दो बार की ओलंपियन होने के बावजूद वह कभी ओलंपिक उद्घाटन समारोह का हिस्सा नहीं बनीं। उन्होंने कहा, तीरंदाजी में हमारी रैंकिंग उद्घाटन समारोह के दिन ही शुरू होती है। इसलिए मुझे दुख है कि मैं कभी किसी उद्घाटन समारोह का हिस्सा नहीं बन पाई और इसे टीवी पर ही देखा।

हम तो 19 ओवर में ही मैच

सलामी बल्लेबाज विकेट बचा रहे, जिससे डेथ ओवर का रनरेट सभी सीजन से बेहतर
आईपीएल में ओपनर धीमी शुरुआत कर रहे हैं। अंत के ओवरों में पिछले सभी सीजन के मुकाबले सबसे तेज रन बन रहे हैं। सलामी बल्लेबाज पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की जगह विकेट बचाने को देख रहे हैं, जिसकी वजह से अंतिम के ओवरों में तेजी से रन बनाए जा सके।

खिलाड़ियों के लिए मैदान पर ड्रिंक्स ले जाने पर इमरान ताहिर का ट्वीट जीत लेगा आपका दिल

नई दिल्ली एजेंसी।

इमरान ताहिर को अभी तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। इमरान पिछले सीजन में टीम के प्लेइंग इलेवन का अहम हिस्सा थे और 17 मैचों में 26 विकेट लेकर पर्पल कैप भी अपने नाम की थी। इस सीजन में वह मैदान पर नजर तो आए, लेकिन खेलते हुए नहीं बल्कि खिलाड़ियों के लिए ड्रिंक्स लाते हुए। इसको लेकर इमरान ने एक ट्वीट किया है, जो आपका दिल जीत लेगा।

इमरान ताहिर ने लिखा, जब मैं खेला करता था तो बहुत सारे खिलाड़ी मेरे लिए मैदान पर ड्रिंक्स लेकर आते थे, और अब जब डिजर्व्ड खिलाड़ी खेल रहे हैं, तो यह मेरी ड्यूटी बनती है कि मैं उनको फेवर लौटाऊं। यह मेरे बारे में नहीं है कि मैं खेल रहा हूं या नहीं, यह मेरे टीम के जीतने के बारे में है। अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं अपना बेस्ट करूंगा और यही जरूरी है।% सीएसके टीम खिलाड़ियों के साथ अपने अच्छे बर्ताव के लिए मशहूर है।

तमाम क्रिकेटर्स इस बात को कह चुके हैं कि सीएसके के साथ उन्हें परिवार जैसा महसूस होता है और ऐसे में इमरान का यह ट्वीट दिखाता है कि टीम में खेलने या नहीं खेलने से ज्यादा हर खिलाड़ी के लिए टीम की जीत है। सीएसके ने अभी तक आठ मैच खेले हैं, जिसमें से तीन जीते हैं और पांच में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। छह प्वॉइंट्स के साथ टीम फिलहाल छठे नंबर पर है। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम इस साल कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी है, लेकिन फैन्स को उम्मीद है कि सीएसके टूर्नामेंट में वापसी करेगा और प्लेऑफ में पहुंचने में कामयाब होगा। सीएसके ने तीन बार आईपीएल खिताब अपने नाम किया है।

दिल्ली कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची

अबुधामी | एजेंसी।

आईपीएल सीजन-13 के 30वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 13 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ दिल्ली पॉइंट्स टैली में टॉप पर पहुंच गई है। दिल्ली ने राजस्थान को लगातार 5वें मैच में शिकस्त दी। इस सीजन के पहले मैच में भी 46 रन से हराया था। मैच में दिल्ली के शिखर धवन और श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी लगाई। मैच में दो विकेट लेने वाले दिल्ली के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्तजे मैन ऑफ द मैच चुने गए। दिल्ली टीम दुबई के मैदान पर सीजन का कोई मैच नहीं हारी है। टीम ने यहां अब तक खेले सभी 4 मैच जीते हैं। राजस्थान को यहां 3 में से 2 मैच में हार और एक में जीत मिली। **दिल्ली ने 162 रन का टारगेट दिया** दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 162 रन का टारगेट दिया था। इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स 8 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान टीम की सधी हुई शुरुआत हुई थी। बेन स्टोक्स ने 41, रॉबिन उथप्पा ने 32, संजू सैमसन ने 25, जोस बटलर ने 22 और राहुल तेवतिया ने 14 रन की पारी खेली।

नोर्तजे ने फेंकी सीजन की सबसे तेज बॉल नोर्तजे ने इस सीजन की सबसे तेज 156.2 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से बॉल फेंकी। इस पर बटलर ने चौका जड़ा। इसके बाद नोर्तजे ने सीजन की दूसरी सबसे तेज 155.1 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से बॉल फेंककर बटलर को क्लीन बोल्ड किया। संजू सैमसन सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 8 मैच 18 छक्के जड़े हैं। दूसरे नंबर पर किंग्स इलेवन पंजाब के निकोलस पूरन हैं, जिन्होंने 7 मैच में 16 छक्के लगाए हैं। सैमसन ओवरऑल आईपीएल में 101 मैच में 107 छक्के के साथ 17वें नंबर पर हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर क्रिस गेल का नाम है। उन्होंने आईपीएल के 125 मैचों में 326 छक्के लगाए हैं। दिल्ली के कप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए थे। पारी के 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर फील्डिंग के दौरान उनके कंधे में चोट लगी। अय्यर एनरिच नोर्तजे की बॉल पर बेन स्टोक्स के शॉट को रोकने की कोशिश कर रहे थे। उनकी गैरमौजूदगी में शिखर धवन ने कप्तानी की।

खराब शुरुआत के बाद धवन-अय्यर ने पारी संभाली दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने 10 रन पर ही दो विकेट गंवाए। शुरुआती दोनों झटके जोफ्रा आर्चर ने दिए। मैच की पहली बॉल पर पृथ्वी शॉ को क्लीन बोल्ड किया। अजिंक्य रहाणे को 2 रन पर रॉबिन उथप्पा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद ओपनर शिखर धवन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 57 बॉल पर 85 रन की पार्टनरशिप की।

धवन और अय्यर की फिफ्टी धवन ने सबसे ज्यादा 57 और अय्यर ने 53 रन की पारी खेली। यह में धवन की 39वीं और अय्यर की 15वीं फिफ्टी रही। राजस्थान के लिए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट लिए। उनके अलावा जयदेव उनादकट ने 2 विकेट, जबकि कार्तिक त्यागी और श्रेयस गोपाल ने 1-1 विकेट लिए।

धवन में 39वीं फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय

धवन आईपीएल में 39वीं फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इस मामले में धवन ने विराट कोहली, रोहित शर्मा और सुरेश रैना को पीछे छोड़ दिया है। तीनों ने लीग में 38-38 फिफ्टी लगाई हैं। ओवरऑल सबसे ज्यादा फिफ्टी के मामले में डेविड वॉर्नर (46) के बाद धवन दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

किदाम्बी श्रीकांत डेनमार्क ओपन के दूसरे दौर में इंग्लैंड के टॉबी पेंटी को दी मात

डेनमार्क, एजेंसी। भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड के टॉबी पेंटी को सीधे गेम में हराकर डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने 37 मिनट तक चले मैच में टॉबी को 21.12 21.18 से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अगले दौर में हमवतन शुभंकर डे और कनाडा के जैसन एंथनी हो शुइ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगा।

श्रीकांत ने मैच के बाद विश्व बैडमिंटन महासंघ से कहाए श्श्मैंने अच्छी शुरुआत कीए लेकिन दूसरे गेम में वह अच्छा खेला। मैं लंबे समय के बाद खेल रहा हूं। यह वापसी किसी श्साहसिक खेल की तरह रही। यह नयी तरह की स्थिति है। मैं कभी इतने लंबे समय तक खेल से दूर नहीं रहा। जिस तरह का मुकाबला था उससे मैं खुश हूं। उन्होंने कहा मैं पिछली बार ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट में खेला थाए लेकिन वहां पहले दौर में हार गया था। मुझे मैच अभ्यास का ज्यादा मौका नहीं मिला। मैं हालांकि धीरे.धीरे वापसी कर रहा हूं। लक्ष्य सेन मंगलवार को ही क्रिस्टो पोपोव पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके दूसरे दौर में पहुंच गये थे। वह अगले दौर में डेनमार्क के हैंस क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस का सामना करेंगे। उन्नीस वर्षीय लक्ष्य ने पोपोव को 21.9 21.15 से हराया था। डेनमार्क ओपन सुपर 750 इस साल होने वाला एकमात्र टूर्नामेंट है क्योंकि विश्व बैडमिंटन महासंघ बीडब्ल्यूएफको कोविड.19 के कारण कई प्रतियोगिताएं रद्द करनी पड़ी तथा एशिया चरण और विश्व टूर फाइनल को अगले साल तक स्थगित करना पड़ा।

मौसी पद्मिनी कोल्हापुरी की आवाज से प्रभावित हुईं श्रद्धा कपूर

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों घर पर समय बिता रही हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर शेयर करती रहती हैं। श्रद्धा कपूर अपनी मासी पद्मिनी कोल्हापुरे की गायन प्रतिभा से काफी प्रभावित हैं। श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर अपनी मौसी और दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें पद्मिनी कोल्हापुरी द कपिल शर्मा शो में गाना गा रही हैं। इस दौरान उनके साथ दिग्गज अभिनेत्री पूनम ढिल्लो भी हैं। पूनम और पद्मिनी ने लगभग एक ही समय में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। पद्मिनी कोल्हापुरे और पूनम ढिल्लो बेस्ट फ्रेंड्स हैं। पद्मिनी कोल्हापुरी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। श्रद्धा कपूर ने इंस्टा स्टोरी पर पद्मिनी कोल्हापुरी के गाना गाते हुए वीडियो शेयर किया। श्रद्धा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा-मेरी अनमोल, खूबसूरत पद्मिनी कोल्हापुरी आपकी आवाज। द कपिल शर्मा शो में पद्मिनी कोल्हापुरी अपनी फिल्म प्यार झुकता नहीं का सुपरहिट गाना तुमसे मिलकर ना जाने क्यों गाती नजर आ रही है। गाने में उनका साथ कपिल शर्मा दे रहे हैं। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। गाना तुमसे मिलकर ना जाने क्यों आज भी फैंस के जहन में ताजा है। फिल्म प्यार झुकता नहीं 11 जनवरी 1985 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में पद्मिनी कोल्हापुरी के साथ अभिनेता मिथुन चक्रवती थे। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म हिट हुई थी और इसके गीने भी लोकप्रिय हुए थे।

दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी अभिनेत्री श्रद्धा कपूर श्रद्धा की मां शिवांगी कोल्हापुरे की बहन हैं। पद्मिनी कोल्हापुरी अपनी बहन के परिवार के साथ अच्छा संबंध साझा करती हैं। वे अक्सर लंच या छुट्टियों पर एक साथ स्पॉट की जाती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इस पीढ़ी की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। श्रद्धा कपूर आखिरी बार फिल्म बागी 3 में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थी। यह फिल्म इस साल मार्च में रिलीज हुई थी। इसके अलावा श्रद्धा कपूर फिल्म स्ट्रीट डांसर 3डी में वरुण धवन के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई दी थी। रेमो डिसूजा द्वारा निर्देशित यह फिल्म जनवरी में रिलीज हुई थी।

रजनीकांत पहुंचे मद्रास उच्च न्यायालय, 6.5 लाख रुपये का है मामला

फिल्म अभिनेता रजनीकांत चेन्नई में स्थित श्री राघवेंद्र मैरिज हॉल के लिए ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन द्वारा संपत्ति कर के रूप में 6.5 लाख रुपये की मांग पर मद्रास उच्च न्यायालय में अर्जी दायर की है। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने श्री राघवेंद्र कल्याण मंडपम पर संपत्ति कर के रूप में 6.50 लाख रुपये की कर की मांग की हैद्य इसके खिलाफ अभिनेता रजनीकांत ने मद्रास उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। यह तमिलनाडु में चेन्नई के कोडम्बकम में स्थित है। अदालत ने इसपर रजनीकांत को चेतावनी दी कि कर की मांग के खिलाफ अदालत में आने पर उनपर एक्शन लिया जा सकता है। इसके बाद रजनीकांत के वकील ने अपना केस वापस लेने के लिए समय मांगा है। रजनीकांत ने अपनी दलील में कहा कि कोरोना वायरस लॉकडाउन की घोषणा के बाद 24 मार्च, 2020 से मैरिज हॉल खाली पड़ा है। इसलिए कोई राजस्व अर्जित नहीं किया गया था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि निगम ने छमाही आधार पर तमिल सुपरस्टार को संपत्ति कर का नोटिस भेजा था। इस बारे में ट्वीट करते हुए लिखा, अभिनेता रजनीकांत ने मद्रास को ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन द्वारा चेन्नई में अपने श्री राघवेंद्र कल्याण मंडपम के लिए 6.5 लाख रुपये की संपत्ति कर की मांग के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। अपनी याचिका में उन्होंने कहा कि वह 24 मार्च से मैरिज हॉल खाली पड़ा है, इसलिए इससे कोई आय नहीं हुई है।

कलाकारों को एक समान अवसर मिलने चाहिए कानी कुसरुति

मलयालम अभिनेत्री कानी कुसरुति एक ऐसे सिस्टम की मांग करती हैं, जहां कलाकारों को काम के एक समान अवसर मिलें, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, वर्ग और रंग के हों। कानी को हाल ही में 42 वें मॉस्को फिल्म फेस्टिवल में ब्रिक्स प्रतियोगिता श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने मलयालम सिनेमा की पहली नायिका पीके रोजी को अपनी यह जीत समर्पित की। कानी ने बताया, मैं यह पुरस्कार पीके रोजी को समर्पित करती हूं, जो मलयालम सिनेमा की पहली अभिनेत्री हैं और साथ ही भारतीय सिनेमा की पहली दलित अभिनेत्री भी हैं। उंची जाति का किरदार को निभाने के अपराध में उनके घर में आग लगा दी गई थी और उन्हें अपनी जिंदगी से हाथ धोने के लिए भी मजबूर किया गया। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं देख रही हूं कि कई कलाकारों को कुछ ऐसे किरदारों की पेशकश नहीं की जा रही है, जिनमें शायद वे काफी बेहतर प्रदर्शन करने की काबिलियत रखते हैं और ऐसा मनोरंजन जगत के वर्तमान बुनियादी ढाचें के चलते हो रहा है। मैं अपने इस पुरस्कार को इन सभी लोगों के साथ साझा करती हूं और हम साथ में मिलकर यह उम्मीद करते हैं कि शायद जल्द ही हम एक ऐसे कल्चर का विकास कर सके, जहां सभी कलाकारों को एक समान काम के अवसर मिले, चाहें उनकी जाति, धर्म, वर्ग और रंग कुछ भी क्यों न हो।

कानी को बिरियानी में अपने किरदार के लिए यह पुरस्कार मिला।

शूटिंग पर लौटे सलमान खान, पुलिस वाले किरदार में दिखेंगे भाईजान

सलमान खान एक बार फिर से फिल्म राधे की शूटिंग पर लौट चुके हैं। ख़बरों के अनुसार, लॉकडाउन के बाद सलमान ने फिल्म राधे के लिए रणदीप हुड्डा के साथ एक पावर पैक एक्शन सीच्ेंस फिल्माया है। माना जा रहा है कि इस फिल्म में सलमान खान एक नो-नॉनसेंस पुलिस वाले की भूमिका निभाएंगे वहीं रणदीप फिल्म में गोवा के एक ड्रग माफिया के रोल में होंगे।

सलमान फिल्म में ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ करेंगे। रणदीप और सलमान के बीच मुठभेड़ फिल्म के मुख्य आकर्षण में से एक होगा। रिपोट्र्स के अनुसार, दोनों के बीच चेस सीच्ेंस, हैंड टू हैंड कॉम्बेट जैसे कई एक्शन सीच्ेंस होंगे। इस फिल्म के लिए साउथ कोरिया के सबसे बड़े मार्शल आट्र्स स्टार और स्टंटमैन चेन टाए-हो की सहायता भी ली जा रही है। एक सीन में सलमान का किरदार राधे गोवा के ड्रग माफिया रणदीप का पीछा करेगा। प्रभुदेवा और सलमान इस सीन को फास्ट पेस वाला चाहते हैं और दोनों ने स्वीकारा कि कोरिया के स्टंटमैन टाए-हो इस जॉब के लिए परफेक्ट होंगे। वे इंडिया में एक महीना रूके थे और इस दौरान बांद्रा स्टूडियो में शूटिंग की गई थी. इस दौरान टाए-हो बैंडस्टैंड के पांच-सितारा होटल में रूके थे। गौरतलब है कि सलमान और रणदीप हुड्डा फिल्म किक और सुल्तान जैसी फिल्मों में साथ काम करने के बाद एक फिर साथ नजर आएंगे। सलमान इस फिल्म में एक बार फिर दिशा पाटनी के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दिशा और सलमान फिल्म भारत में साथ नजर आ चुके हैं। फिल्म के डायरेक्टर प्रभुदेवा इससे पहले सलमान के साथ वॉन्टेड और दबंग 3 जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

'83' सिनेमा थियेटर को क्रिकेट के मैदान में बदल देगा- ताहिर राज भसीन

अभिनेता ताहिर राज भसीन पूरे भारत में सिनेमा हॉल को फिर से खोलने के निर्णय पर बहुत उत्साहित हैं। कबीर खान की फिल्म '83' में महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर की भूमिका निभाने वाले ताहिर ने कहा कि आगामी फिल्म को सिर्फ बड़े पर्दे पर ही देखा जा सकता है।

ताहिर ने कहा, यह एक बड़ी राहत है कि हजारों मल्टीप्लेक्स कर्मचारी और व्यवसाय जो सिनेमाघरों पर निर्भर हैं, उन्हें अंतत- इनके खुलने से कुछ राहत मिलेगी। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो बहुत लंबे समय तक लॉकडाउन में रहा है। मैं इस फैसले के बाद सिनेमाघरों में '83' के रिलीज होने की खबर सुनने का इंतजार कर रहा हूं। यह एक ऐसी फिल्म है जो सिनेमाघरों को क्रिकेट स्टेडियम में बदल देगी और यह बड़े पर्दे के अनुभव के लिए है। उन्होंने आगे कहा, सिनेमाघरों में फिल्मों का आनंद लेने से पहले उनकी सुरक्षा के मानकों का ध्यान रखना आवश्यक है, जिनका सिनेमा हॉल में जाने के पश्चात जनता द्वारा पालन किया जाना चाहिए। मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और बाहर निकलने से बचना

किशोर कुमार ने मुझे ड्रीम गर्ल के लिए साहस दिया- आयुष्मान खुराना

किशोर कुमार की 33वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को उन्हें याद करते हुए, बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने उनका शुक्रिया अदा किया। दरअसल अभिनेता ने दिवंगत गायक को अपने करियर में सबसे असामान्य भूमिकाओं में से एक को निभाने का साहस का स्त्रोत बताया। आयुष्मान यहां साल 2019 की कॉमेडी फिल्म ड्रीम गर्ल में अपनी भूमिका की बात कर रहे हैं, जिसमें वह एक ऐसे पुरुष की भूमिका निभाते हैं, जो महिला की आवाज निकालने में सक्षम होता है, जिससे उन्हें जीवन में सफलता मिलती है और परेशानी भी होती है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी किशोर कुमार को विभिन्न आवाजों में गाने की क्षमता के लिए जाना जाता था, जिसमें महिला आवाज भी शामिल थी। आयुष्मान ने कहा, जब आप उनकी फिल्म हाफ टिकट पर नजर डालते हैं, तो आके सीधी लगी दिल पे गीत में उन्होंने पुरुष और महिला दोनों स्वरों में गाया है। बहुत से लोगों को यह पता नहीं है, लेकिन उनकी बात ने ही मुझे विश्वास दिलाया कि मैं ड्रीम गर्ल कर सकता हूं। मैंने इससे हिम्मत बढ़ाई, क्योंकि मेरे पास किशोर कुमार एक उदाहरण के तौर पर थे, जिन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से निभाया था।

सिंपल लुक में भी बेहद खूबसूरत नजर आती है निमरत कौर

बॉलीवुड में बहुत कम एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जो अपने सिंपल और एलिगेंट फैशन के लिए जानी जाती हैं। उन्हीं में से एक एक्ट्रेस निमरत कौर भी हैं, जिन्हें हद से ज्यादा तड़कते-भड़कते ऑउटफिट्स में आपने कभी-कभार ही देखा होगा। वैसे अगर आपने निमरत कौर की अब तक की स्टाइल फाइल्स पर एक नजर डाली तो यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि यह एक्ट्रेस जिस भी लुक में नजर आती हैं उसे देखने के बाद ऐसा लगता है कि ये स्टाइल उन्हीं के लिए बना है। ऐसा ही कुछ हमें आज के ऑउटफिट के साथ भी देखने को मिला। अक्षय कुमार की इस जानी-मानी एक्ट्रेस को आज सिटी आउटिंग के लिए स्पॉट किया गया, जहां भी वह हर बार की तरह सिंपल, लेकिन एलिगेंट लुक में नजर आईं। निमरत ने अपने कम्फर्ट का ध्यान रखते हुए ब्लू कलर की फ्लोरल मैक्सी ड्रेस पहनी थी। निमरत कौर को देखकर एक बात तो तय है कि एक्ट्रेस इस बात को अच्छे से जानती हैं कि कैसे अपने सिंपल लुक को भी स्टाइलिश टच देना है। इस फ्लोरल ड्रेस के साथ भी उन्होंने कुछ ऐसी ही किया, जिसे एक्ट्रेस ने स्टाइलिश स्लिंग बैग के साथ स्टाइल किया था। अगर आप बॉलीवुड फैशन लवर्स हैं तो आपने देखा होगा कि पिछले काफी समय से एक्ट्रेसेस का झुकाव फ्लोरल ऑउटफिट्स की तरफ ज्यादा बढ़ा है। यही एक वजह भी है कि इन दिनों फैशननिस्टा भी फ्लोरल ड्रेसेस को पहनना पसंद कर रही हैं।

हेमा से शादी के लिए धर्मेंद्र ने लड़ा दी थी जान

हमने कई फ़िल्मों में साथ काम किया था। एक वक़्त था, जब हम साथ में कई दिनों तक नहीं, बल्कि हफ़्तों और महीनों तक साथ काम कर रहे थे। जल्द ही हमेशा एक-दूसरे के साथ रहना आदत सी हो गयी। वक़्त गुज़रने के साथ, यह समझाना मुश्किल हो गया कि मैं उनके लिए कैसा महसूस करती थी, और अभी भी रिश्ते को परिभाषित करना मुश्किल था। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी उनसे शादी करने के बारे में नहीं सोचा था। भारतीय फ़िल्म इंडस्ट्री में धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की जोड़ी को आइकॉनिक माना जाता है। पर्दे पर इस जोड़ी ने रोमांस और मोहब्बत की जो तस्वीर पेश की, वो एक ज़माने में आशिक़ों के लिए प्यार की पाठशाला से कम नहीं थी। मगर, पर्दे के इस पार भी धर्मेंद्र और हेमा की लव स्टोरी किसी सुपर हिट रोमांटिक फ़िल्म की पटकथा से कम दिलचस्प नहीं है, जिसके एक-एक सीन में ज़बरदस्त ड्रामा और कहानी में कई रोमांचक मोड़ हैं। हालांकि, इस कहानी का सबसे सनसनीखेज़ मोड़ तब आया, जब धर्मेंद्र ने नई सदी के शुरुआती सालों में राजनीति में क़दम रखा था। मगर, पहले बात धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की लव स्टोर हेमा कहती हैं- सच यह था कि मुझे भी नहीं पता था कि मैं चाहती क्या हूं। इतना पता था कि मैं उनकी तरफ़ आकर्षित थी, लेकिन इस रिश्ते का कोई भविष्य नहीं था। शुरुआत में, हम केवल अच्छे दोस्त थे। मुझे उनका साथ अच्छा लगता था। मेरा इकलौता तर्क यही था कि मैं सोच-समझकर उनके प्यार में नहीं पड़ी थी। यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन मैंने यह सोच रखा था कि जब भी शादी करूंगी तो उनके जैसे ही किसी शख़्स से करूंगी। लेकिन कभी उनके साथ होने के बारे में नहीं सोचा था। यह मेरी क़िस्मत और भाग्य था। मैगज़ीन हमारे अफेयर की कहानियों से भरी रहती थीं। जर्नलिस्ट कुछ ना कुछ लिखते रहते थे, जिससे हमारे घर की शांति भंग होने लगी थी और तनाव बढ़ने लगा था। उस वक़्त मैंने जर्नलिस्ट से बात करना बंद कर दिया, क्योंकि इससे चीज़ें बिगड़ने लगी थीं। मेरे पिता इस सबसे घबरा गये और ज्योतिषियों और पंडितों से मशविरा करना शुरू कर दिया। वो जानना चाहते थे कि मेरी कुंडली में क्या है। मेरी शादी में देरी से वो चिंतित होने लगे थे, और इसी चिंता के चलते वो शूटिंग पर मेरे साथ जाने लगे। ऐसा उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी नहीं किया था। हेमा की भावनाएं धर्मेंद्र के लिए जैसे-जैसे मज़बूत होती जा रही थीं

ध्वनि भानुशाली ने 2021 में अपना अलग पक्ष दिखाने का किया वादा

ध्वनि भानुशाली ने साल 2018 में लॉन्च होने के बाद दो साल के कम समय में एक गायिका के रूप में बहुत लोकप्रियता हासिल कर ली है। वहीं अगले साल वह एक संगीत कलाकार के रूप में अपनी क्रिएटिविटी का अलग पक्ष दिखाने का वादा करती है। चाहे वह बॉलीवुड के गाने हों या दिलबर या वास्ते जैसे पॉप सिंगल्स हों, उन्होंने कई हिट गाने दिए हैं। उनका कहना है कि लॉकडाउन ने उन्हें एक संपूर्ण कलाकार के रूप में अपने कौशल को चमकाने का मौका दिया है। ध्वनि ने कहा, हम घर पर थे और परिवार के साथ समय बिता रहे थे। मैं रियाज और संगीत सीखने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी। मैंने देर से संगीत सीखना शुरू किया। इसलिए, मेरे लिए सीखने के हिस्से पर ध्यान केंद्रित करने का एक अच्छा समय था और मैं गाने बनाने की कोशिश कर रही थी। उम्मीद है, अगले साल हमारे पास कुछ होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें अपने गाने लिखने का भी मौका मिला है, उन्होंने कहा, मैं इस पर काम कर रही थी। यह मेरा एक पक्ष है, जिसे मैंने अभी तक नहीं प्रदर्शित किया है। उन्हें 2021 तक तैयार हो जाना चाहिए। इससे पहले वह नवंबर में एक नया सिंगल लाने वाली हैं। उन्होंने कहा, यह साल एक धमाके के साथ समाप्त होगा और फिर दूसरे धमाके के साथ शुरू होगा। ध्वनि ने हाल ही में एक नया गाना बेबी गर्ल रिलीज किया, जिसमें गायक गुरु रंधावा भी हैं। इसकी शूटिंग पिछले महीने गोवा में हुई थी। उन्होंने कहा, मैं सचमुच डरी हुई थी। आप समझ सकते हैं कि इतने लोगों से मिलना (महामारी के बीच) एक पूरी तरह से अनजान शहर में जाना कैसा लगता है। जोखिम था, लेकिन आपको काम करना होगा। यह बहुत ही मजेदार था और सभी सावधानियों के साथ किया गया था। हम लगातार सैनिटाइजेशन कर रहे थे। ध्वनि ने आगे कहा, मेरा जीवन संगीत वीडियो के बारे में रहा है, लेकिन हालांकि यह रेमो (डिसूजा) सर के साथ था, तो यह एक बड़ा अवसर था। मैं वास्तव में उत्साहित थी। यहां तक कि गुरु भी थे। मुझे उनसे मैच करना था। संगीत वीडियो में उन्हें मजा आता है, लेकिन फिल्म में अभिनय करने के बारे में अभी वह सपना नहीं देख रही है। गायिका ने कहा, अभी के लिए मैं अपने संगीत करियर पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं, पहले पॉप स्टार बनना चाहती हूं और फिर अगर मैं अच्छी रही तो अन्य चीजों में भी हाथ आजमाऊंगी। तीन घंटे की फिल्म करना आसान नहीं है। विभिन्न दृश्यों को करना एक अलग बॉल गेम है। आपको प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इसलिए मुझे कुछ समय चाहिए।

घुड़सवारी करती जैकलीन फर्नांडीस की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल

फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। तस्वीर में जैकलीन घुड़सवारी करती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों को खुद जैकलीन ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ साझा करते हुए जैकलीन ने लिखा-हमारे भविष्य का राज हमारी दिनचर्या में छिपा है।

सोशल मीडिया पर जैकलीन की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब जैकलीन घुड़सवारी करते हुए अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। इससे पहले भी जैकलीन ने घुड़सवारी करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था। जैकलीन इन दिनों सोशल मीडिया के साथ-साथ मनोरंजन जगत में भी काफी सक्रिय हैं। जैकलीन ने साल 2009 में आई फिल्म अल्लाद्दीन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

इसके बाद वह बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आई, जिसमें हाउसफुल, मर्डर 2, किक, रॉय, अ फ्लाइंग जैट, रेस 3 आदि शामिल हैं। इसके अलावा जैकलीन कई म्यूजिक एलबम और वेब सीरीज में भी नजर आई हैं। उन्होंने अपने शानदार अभिनय से बहुत समय में बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बना ली है। जैकलीन जल्द ही लक्ष्य राज आनंद द्वारा निर्देशित फिल्म अटैक में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ जॉन अब्राहम और रकुलप्रीत भी है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोट: समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।